Acc no ~~695~~
6595

491.43
R 15 V

Varnmala
by
Shri Ranvir Singh

1916

Shri Ranbir Singh
press Jammu.

Page 58

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

6595.
Ranbir Library No. 3060
Price R/1/—

ॐ श्रीरघुनाथजी सहाय

ॐ कृत्वाचयेनाप्रतिमाचशाला परोपकारार्थम्
मिमहन्नः विविधांसर्वपुराणशाला जीवेत्सराजा
रणवीरसिंहः ॥४॥ १

श्रीश्रीश्रीरण
वीरसिंहनृपते र्जित्वाखिला
मान्विश्वमि धर्मेधर्मसुतं रणेन
लसुतं दानेसुतं शीतगोः पश्चवै
चशातक्रतुं चलमधा तोषीन
नाह्लादने चंद्रमीतक

दिवापतिकरान् प्रौढप्रतापांकुरैः ॥ २॥४॥
रणवीरसिंहराजन् वैरिद्विपास्फालनेनलब्धजय जं
बूनामकद्वीपेयेनलब्धमेंधर्मोजातः सद्धर्मः सत्कीर्तिः
सहजं सर्वलोकपालानाम् इच्छामबन्धभावं सेनानि

त्याराग नः प्रामय ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri
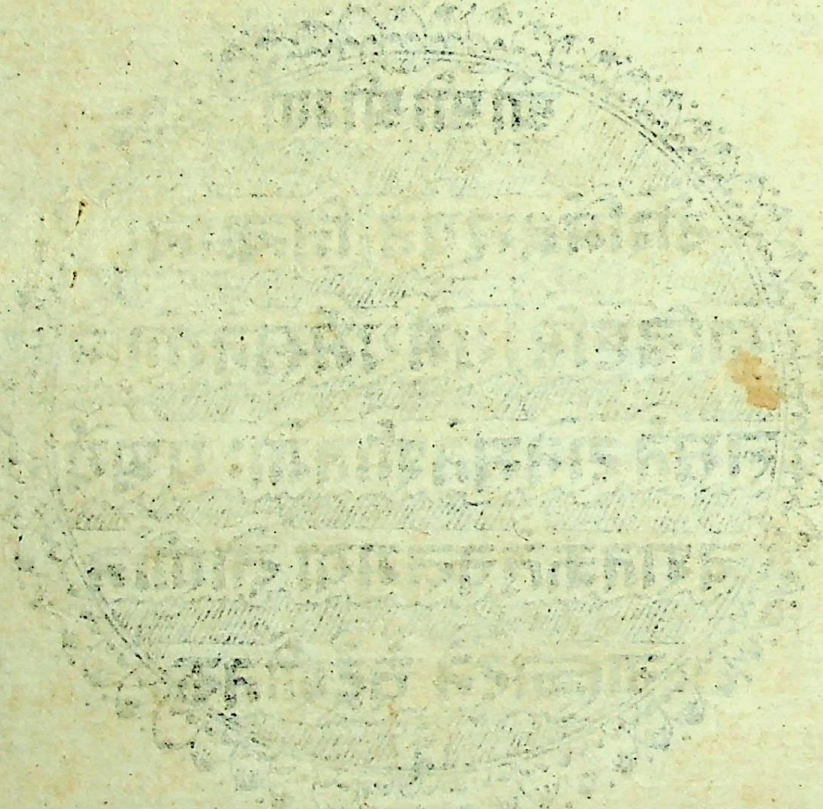
ॐ श्रीरघुनाथजी सहाय ॥

ॐ विद्यार्थीयों के परोपकार के वास्ते ऊ जम्मू मेंसे सरकार धर्म अवतार इंद्रपन श्री श्री श्री महाराजा रणवीरसिंघ साहब बहादर बालीज मुल्क परमेश्वर धर्म काज के वास्ते ॥ ५ ॥

वर्ण माला ॥

देवनागरी वर्ण मालामे ५१ अक्षर हैं ॥ उनमें दो प्रकार हैं स्वर और व्यंजन् वर्ण माला के पहले १९ अक्षरों को स्वर कहते हैं बाकी ३३ अक्षरों को व्यंजन कहते हैं स्वरों के दो रूप हैं पहले पूरा अक्षर दूसरे अक्षर का निशान जिसे मात्रा कहते हैं १९ स्वर और हर एक के नीचे अपनी अपनी मात्रा लिखी गई है ॥ ५ ॥

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ

ा ि ी ु ू ृ ॄ

अकबर आगरा इंदौर ईख उंगली ऊपर ऋषि ॠस

ऌ ॡ ए ऐ ओ औ अं अः

ॢ ॣ े ै ो ौ ं ः

पढ़ो येसा बोला औरत अंधा दुःख ॥ ३३ ॥ व्यंजनों का स्वरूप ॥ ५ ॥

क ख ग घ ङ

ट ठ ड ढ ण

प फ ब भ म

च छ ज झ ञ

त थ द ध न

य र ल व

श ष स ह ॥

वर्ण माला के पीछे जो अक्षर लिखे जाते हैं + क्ष त्र ज्ञ + वे असल व्यंजन नहीं हैं: क्योंकि हर एक इन में से दो व्यंजन के मिलने से बनता है जैसे: क + और + ष + मिलने से + क्ष + और + त + र मिलने से + त्र + और + ज + ञ + मिलने से + ज्ञ + पैदा होता है ॥ +

वास्ते विद्यार्थियों की परीक्षा के वर्ण माला उलटी लिखी गई है
माला उल

ह स ष श व ल र य म भ ब
फ प न ध द थ त ण ढ ड ठ
ट ञ झ ज छ च ङ घ ग ख क
अः अं औ ओ ऐ ए ॡ ऌ ॠ ऋ ऊ
उ ई इ आ अ ाः ां ौ ै
ो ॣ ॢ ॄ ृ ू ु े ी ा ‾
फ श घ ण ल झ ह आ स

अ

वास्ते पक्की परीक्षा के वर्ण माला गड़ बड़ लिखी गई है

ञ ाः अ क्ष ष श च े ब ङ
ो ल ै र ग े म क घ
प ऌ औ त ऋ ा ट ऊ
ड उ ठ ई ट इ ञ अं
ऋ ॡ पृ ज झ ख य ह
श घ ट १ २ ३ ४ ५
६ ७ ८ ९ ० ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

बारह खड़ी

बारह स्वरों के साथ हर एक व्यंजन मिलाने से बारह खड़ी होती है॥ बारह खड़ी पढ़ने की रीति यह है कि पहले अक्षर फिर मात्रा अलग बोलके पीछे मिलाके बोलो॥ जैसा॥ क+अ+क क+आ+का॥ क+इ+कि॥ क+ई+की॥ क+उ+कु॥ क+ऊ+कू॥ क+ए+के॥ क+ऐ+कै॥ क+ओ+को॥ क+औ+कौ॥ क+अं+कं॥ क+अः+कः॥

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः

चिट्ठी छोटे की ओरसे बड़े को

मा

सिद्धि श्री मथुराजी महा शुभस्थाने श्री सर्वोपमा योग्य सकल गुण गौरव युक्त काका जी श्री ५ छंठे रामजी योग्य लिखी आगरे से राम लाल की राम राम बंचना यहां के समाचार भले हैं तुम्हारे सदा भले चाहिये आगे बहुत दिनों से चिट्ठी तुम्हारी नहीं आई सो लिखना और हमने सुना है कि बाहू सेठ के घर में कुछ आपस में मन चाल से हानी और उनके भतीजों में हुई है सो इसके समाचार दर्याफ़ करके लिखना कि यह बात सच है कि कुछ बजारू खबर है और व्हां हैजा बहुत फैल रहा है सो तुम थोड़ा खाना और बहुत डोलना मत क्योंकि हमारे ऊपर तुम्हीं मालिक हो जियादा खैर सल्लाह के समाचार लिखना॥ मिती कार्तिक वदी ५ संवत् १९०५ ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

बारह खड़ी

यहां हरेक स्वर व्यंजन के साथ मिला है ॥ इस बारह खड़ी के पढ़ने की रीति यह है कि पहले स्वर फिर व्यंजन अलग अलग बोलके पीछे मिलाके बोलो ॥ जैसा ॥ अ+क+अक ॥ आ+क+आक ॥ इ+क+इक ॥ ई+क+ईक ॥ उ+क+उक ॥ ऊ+क+ऊक ॥ ए+क+एक ॥ ऐ+क+ऐक ॥ ओ+क+ओक ॥ औ+क+औक ॥ अं+क+अंक ॥ अः+क+अःक ॥ ✝ ॥

अक	आक	इक	ईक	उक	ऊक	एक	ऐक	ओक	औक	अंक	अःक
अग	आग	इग	ईग	उग	ऊग	एग	ऐग	ओग	औग	अंग,	अःग
अच	आच	इच	ईच	उच	ऊच	एच	ऐच	ओच	औच	अंच	अःच
अठ	आठ	इठ	ईठ	उठ	ऊठ	एठ	ऐठ	ओठ	औठ	अंठ	अःठ
अढ	आढ	इढ	ईढ	उढ	ऊढ	एढ	ऐढ	ओढ	औढ	अंढ	अःढ
अत	आत	इत	ईत	उत	ऊत	एत	ऐत	ओत	औत	अंत	अःत
अथ	आथ	इथ	ईथ	उथ	ऊथ	एथ	ऐथ	ओथ	औथ	अंथ	अःथ
अद	आद	इद	ईद	उद	ऊद	एद	ऐद	ओद	औद	अंद	अःद
अन	आन	इन	ईन	उन	ऊन	एन	ऐन	ओन	औन	अंन	अःन
अप	आप	इप	ईप	उप	ऊप	एप	ऐप	ओप	औप	अंप	अःप
अफ	आफ	इफ	ईफ	उफ	ऊफ	एफ	ऐफ	ओफ	औफ	अंफ	अःफ
अब	आब	इब	ईब	उब	ऊब	एब	ऐब	ओब	औब	अंब	अःब
अभ	आभ	इभ	ईभ	उभ	ऊभ	एभ	ऐभ	ओभ	औभ	अंभ	अःभ
अम	आम	इम	ईम	उम	ऊम	एम	ऐम	ओम	औम	अंम	अःम
अय	आय	इय	ईय	उय	ऊय	एय	ऐय	ओय	औय	अंय	अःय
अर	आर	इर	ईर	उर	ऊर	एर	ऐर	ओर	और	अंर	अःर
अल	आल	इल	ईल	उल	ऊल	एल	ऐल	ओल	औल	अंल	अःल
अश	आश	इश	ईश	उश	ऊश	एश	ऐश	ओश	औश	अंश	अःश
अस	आस	इस	ईस	उस	ऊस	एस	ऐस	ओस	औस	अंस	अःस
अह	आह	इह	ईह	उह	ऊह	एह	ऐह	ओह	औह	अंह	अःह

चिट्ठी बड़े की ओर से छोटे को ॥

स्वस्ति श्री आगरा शुभ स्थाने सर्वोपमा योग्य चिरंजीव रामलाल योग्य लिखी मथुरा से शुभकांक्षी कुंदेराम की आशीस बांचना यहां के समाचार भले हैं तुम्हारे सदा भले चाहिये आगे तुम्हारी कातिक वदी ५ की लिखी चिट्ठी आई समाचार लिखे सो जाने तुमने लिखा कि बापू सेठ के घर में कुछ फिसाद आपस में हुआ सो इसकी बात झूठ है इहां तो कुछ भी चिंता नहीं है सो जानना और हमको भी बुखार आ गया था सो आराम है फिकर करना नहीं परमेश्वर से रहते हैं और कई सौ आदमी यहां मरे हैं और हवा भी यहां नाकस चली है अब हम भी जोशीजी बाबा की हवेली में से अमरूदे पर जा रहे हैं द्वारिका पेशा के मंदर के पीछे शुभ ॥ मिती कातिक वदी १० ॥

संवत १९ ॥ २ ॥

तीनअक्षरकी मिलावट ॥

यहाँ देव्यंजनोंकेवीच एक स्वर मिलाया गयाहै इसके पढ़नेकीयहरीतिहैकि पहलेएक एक अक्षर अलगअलग वोलके पीछे मिलाकेवोलो॥जैसा।क+ए+स= केस॥क+ऐ+द= कैद॥क+ओ+द+कोदक+औ+न+कौन॥का+अं+ठ+कंठ+म+काम॥का।इ।स।किस॥का।ई।ल।कील॥का।उ।ट।कुट।का।ऊ।च।कूच।का।ए

काम	किस	कील	कूट	कूंच	केस	कैद	कोद	कोन	कंठ
खाल	खिल	खील	खुट	खून	खेल	खैर	खोय	खोन	खंभ
गाह	गिन	गीत	गुर	गूप	गेर	गैर	गोलै	गोर	गंग
घास	घिस	घीव	घुस	घूंस	घेर	घैन	घोर	घोड	घंट
चार	चित	चीर	चुग	चूक	चेत	चैन	चोर	चोक	चंग
छाल	छिप	छींट	छुट	छून	छेब	छैल	छोड	छोक	छंद
जाल	जिस	जीभ	जुग	जून	जेब	जैघ	जोर	जोत	जंग
झाड	झिर	झील	झुक	झूम	झेन	झैर	झोल	झोर	झंम
डाल	डिग	डील	डुब	डूब	डेग	डेल	डोर	डोल	डंड
तार	तिल	तीस	तुम	तूल	तेल	तैर	तोय	तोल	तंग
दाग	दिल	दीप	दुख	दूर	देर	देव	दोष	दोड़	दंभ
थार	थिक	थीर	थुन	थून	थेर	थैन	थोब	थोल	पंथ
नार	निन	नीच	नुह	नूर	नेक	नैन	नोक	नोन	नंग
पाम	पिन	पीर	पुस	पूम	पेट	पैर	पोर	पोन	पंख
फाक	फिर	फीक	फुट	फूल	फेर	फैल	फोक	फौज	फंद
बाल	बिल	बीज	बुथ	बूंद	बेज	बैल	बोस	बोल	बंद
भाल	भिल	भीन	भुज	भूल	भेद	भैस	भोर	भोर	भूख
माल	मिल	मील	मुख	मूंज	मेल	मेल	मोल	मोत	मंक
राद	रिस	रीत	रुक	रूख	रेत	रैन	रोक	रोर	रंग
शाम	शिख	शीत	शुन	शूम	शेर	शैव	शोर	शोक	शंख

चिट्ठी बेटे केओर से बापको ॥ १ ॥

सिद्धि श्री सेवा पुर शुभस्थाने सर्वोपमा योग्य राज्य श्रीसरदारजी श्री ५ किशनरामजी योग्यलिखीहेरी सेमोहन रामकी राम राम वांचनायहाँ श्रीजीमहाय आगे समाचार एक वांचना हमारी पती की मालगुजारी सालियाना रुपये (२६५) कीहै उसमें से एक एक किश्तने रुपये ४४॥) होने हैं सो नोवंबरकी किश्ततोदेनीहै और दिसम्बरकीकिश्त भरी पड़जाय इतनीजमा नहीं॥ दीखती और मन साराम काकातो कहतारहे कि मुझे तुम्हारे नकेदोरेसे कुछकाम नहीं मेरे तो मुनाफेके ५) रुपये देदो सोतुम एक वेरआना नहीं तो यहां ववेकिपड़जायगा आगे शुभमिती पूसवदी १॥

सम्वत् १९०९ ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

व्यंजन की मिलावट

कक	कख	कग	कघ	कच	कज	कझ	कट	कठ	कड	कढ	कन
खक	खख	खग	खघ	खच	खज	खझ	खट	खठ	खड	खढ	खन
गक	गख	गग	गघ	गच	गज	गझ	गट	गठ	गड	गढ	गन
घक	घख	घग	घघ	घच	घज	घझ	घट	घठ	घड	घढ	घन
चक	चख	चग	चघ	चच	चज	चझ	चट	चठ	चड	चढ	चन
जक	जख	जग	जघ	जच	जज	जझ	जट	जठ	जड	जढ	जन
झक	झख	झग	झघ	झच	झज	झझ	झट	झठ	झड	झढ	झन
टक	टख	टग	टघ	टच	टज	टझ	टट	टठ	टड	टढ	टन
ठक	ठख	ठग	ठघ	ठच	ठज	ठझ	ठट	ठठ	ठड	ठढ	ठन
डक	डख	डग	डघ	डच	डज	डझ	डट	डठ	डड	डढ	डन
ढक	ढख	ढग	ढघ	ढच	ढज	ढझ	ढट	ढठ	ढड	ढढ	ढन
णक	णख	णग	णघ	णच	णज	णझ	णट	णठ	णड	णढ	णन
थक	थख	थग	थघ	थच	थज	थझ	थट	थठ	थड	थढ	थन
दक	दख	दग	दघ	दच	दज	दझ	दट	दठ	दड	दढ	दन
नक	नख	नग	नघ	नच	नज	नझ	नट	नठ	नड	नढ	नन
पक	पख	पग	पघ	पच	पज	पझ	पट	पठ	पड	पढ	पन
फक	फख	फग	फघ	फच	फज	फझ	फट	फठ	फड	फढ	फन
बक	बख	बग	बघ	बच	बज	बझ	बट	बठ	बड	बढ	बन
मक	मख	मग	मघ	मच	मज	मझ	मट	मठ	मड	मढ	मन
यक	यख	यग	यघ	यच	यज	यझ	यट	यठ	यड	यढ	यन
रक	रख	रग	रघ	रच	रज	रझ	रट	रठ	रड	रढ	रन
लक	लख	लग	लघ	लच	लज	लझ	लट	लठ	लड	लढ	लन
शक	शख	शग	शघ	शच	शज	शझ	शट	शठ	शड	शढ	शन
सक	सख	सग	सघ	सच	सज	सझ	सट	सठ	सड	सढ	सन
हक	हख	हग	हघ	हच	हज	हझ	हट	हठ	हड	हढ	हन

चिट्ठी पिता की ओर से पुत्र को

स्वस्ति श्री वेरी शुभ स्थाने सर्वोपमा योग्य चिरंजीव लाला मोहन लाल योग्य लिखी सेतापुर से किरपाराम की आसीस बांचनी आगे तुमने मनसाराम के लिये लिखा कि वह नफे के ५) रुपये मांगे है टोटे नफे से कुछ मतलब नहीं है तो उससे कहो कि सवाल की लिखावट निकाले और एक अमीन सील दार मैं दे देना कि मनसाराम सरकारी किश्त देने में झगड़ा करता है आगे को अमीन लाकर पट्टी के बट कर डालो जिसमें कुछ झगड़ा न रहे तो मैं वहीं चला आऊं तो यहां की माल गुजारी के काम में गड़बड़ हो जायगी इससे जैसे बने वैसे मनसाराम को समझा काम चलाना वह न माने तो वोहरे से रुपये उधार ले किश्त पहुंचाना आगे को बट का नाव खेड़ा मिट्येगा॥ । शुभ मिति पूस बदी ७ सम्वत १९०१

दो व्यंजन की मिलावट

कथ	कद	कन	कप	कफ	कब	कम	कय	कर	कश	कस	कह
खथ	खद	खन	खप	खफ	खब	खम	खय	खर	खश	खस	खह
गथ	गद	गन	गप	गफ	गब	गम	गय	गर	गश	गस	गह
घथ	घद	घन	घप	घफ	घब	घम	घय	घर	घश	घस	घह
चथ	चद	चन	चप	चफ	चब	चम	चय	चर	चश	चस	चह
जथ	जद	जन	जप	जफ	जब	जम	जय	जर	जश	जस	जह
झथ	झद	झन	झप	झफ	झब	झम	झय	झर	झश	झस	झह
टथ	टद	टन	टप	टफ	टब	टम	टय	टर	टश	टस	टह
ठथ	ठद	ठन	ठप	ठफ	ठब	ठम	ठय	ठर	ठश	ठस	ठह
डथ	डद	डन	डप	डफ	डब	डम	डय	डर	डश	डस	डह
ढथ	ढद	ढन	ढप	ढफ	ढब	ढम	ढय	ढर	ढश	ढस	ढह
णथ	णद	णन	णप	णफ	णब	णम	णय	णर	णश	णस	णह
थथ	थद	थन	थप	थफ	थब	थम	थय	थर	थश	थस	थह
दथ	दद	दन	दप	दफ	दब	दम	दय	दर	दश	दस	दह
नथ	नद	नन	नप	नफ	नब	नम	नय	नर	नश	नस	नह
पथ	पद	पन	पप	पफ	पब	पम	पय	पर	पश	पस	पह
फथ	फद	फन	फप	फफ	फब	फम	फय	फर	फश	फस	फह
बथ	बद	बन	बप	बफ	बब	बम	बय	बर	बश	बस	बह
मथ	मद	मन	मप	मफ	मब	मम	मय	मर	मश	मस	मह
यथ	यद	यन	यप	यफ	यब	यम	यय	यर	यश	यस	यह
रथ	रद	रन	रप	रफ	रब	रम	रय	रर	रश	रस	रह
लथ	लद	लन	लप	लफ	लब	लम	लय	लर	लश	लस	लह
शथ	शद	शन	शप	शफ	शब	शम	शय	शर	शश	शस	शह
सथ	सद	सन	सप	सफ	सब	सम	सय	सर	सश	सस	सह
हथ	हद	हन	हप	हफ	हब	हम	हय	हर	हश	हस	हह

चिट्ठी बराबर वाले को ।* ॥

स्वस्ति श्री बिन्द्रावन महा शुभ स्थाने सर्वोपमा योग्य विराजमान श्री राधेलाल
जायोग्य लिखी आगरे से सालगराम की राम राम बांचना यहां के समाचार स्वस्थ
ले है आपके समाचार सदा भले चाहिये आगे लडकों को खूब पढाना और खेल
कूद में मन लगाना लडकों को खाने पिलाने का पियार करना चाहिये और पढने
के वक्त उनको ताडना करनी ही उचित है ॥ आगे यहां गेहूं बहुत महंगे हैं तु
म्हारे यहां खेती गेहूं की होय तो आजकल हूने होने है और जो यहां स
स्ता है कहो तो भेजदें इसमें भी कुछ नफा ही होगा और नाज का भाव गेहूं बाज
रा मूंग गुड़ घी आज दिन यह भाव है कल की ईश्वर जाने मिती पूस वदी

पंचमी सं १९१९ । गेहूं बाजरा मूंग गुड घी
॥४ ॥।२ ॥६ ।४ २४

गिनती				
१ एक	२६ छब्बीस	५१ इक्यावन	७६ छिहत्तर	१ एक
२ दो	२७ सताईस	५२ बावन	७७ सतहत्तर	१० दस
३ तीन	२८ अट्ठाईस	५३ तिरेपन	७८ अठहत्तर	१०० एकसौ
४ चार	२९ उनतीस	५४ चौवन	७९ उनासी	१००० एक हजार
५ पांच	३० तीस	५५ पचपन	८० अस्सी	१०००० दस हजार
६ छः	३१ इकतीस	५६ छप्पन	८१ इक्यासी	१००००० एक लाख
७ सात	३२ बत्तीस	५७ सतावन	८२ बियासी	१०००००० दस लाख
८ आठ	३३ तेतीस	५८ अट्ठावन	८३ तिरासी	१००००००० एक करोड़
९ नौ	३४ चौंतीस	५९ उनसठ	८४ चौरासी	[illegible]
१० दस	३५ पैंतीस	६० साठ	८५ पचासी	[illegible]
११ ग्यारह	३६ छत्तीस	६१ इकसठ	८६ छयासी	[illegible]
१२ बारह	३७ सैंतीस	६२ बासठ	८७ सतासी	१०१ एकसौ एक
१३ तेरह	३८ अड़तीस	६३ तेरसठ	८८ अट्ठासी	१११ एकसौ ग्यारह
१४ चौदह	३९ उनतालीस	६४ चौसठ	८९ नवासी	१९९ एकसौ निन्नानवे
१५ पंद्रह	४० चालीस	६५ पैंसठ	९० नब्बे	२०९ दोसौ नौ
१६ सोलह	४१ इकतालीस	६६ छयासठ	९१ इक्यानवे	८०८ आठसौ [illegible]
१७ सतरह	४२ बियालीस	६७ सड़सठ	९२ बानवे	५००० पांच हजार
१८ अठारह	४३ तेतालीस	६८ अड़सठ	९३ तिरानवे	५५०० पांच हजार पांचसौ
१९ उन्नीस	४४ चवालीस	६९ उनहत्तर	९४ चौरानवे	५५५५ पांच हजार पांचसौ पचपन
२० बीस	४५ पैंताली	७० सत्तर	९५ पचानवे	५५५५५ पचपन हजार पांचसौ पचपन
२१ इक्कीस	४६ छयालीस	७१ इकहत्तर	९६ छियानवे	१०००० दस हजार
२२ बाईस	४७ सैंतालीस	७२ बहत्तर	९७ सतानवे	१०००१ दस हजार एक
२३ तेईस	४८ अड़तालीस	७३ तिहत्तर	९८ अट्ठानवे	१००११ दस हजार ग्यारह
२४ चौबीस	४९ उनचास	७४ चौहत्तर	९९ निन्नानवे	१०१११ दस हजार एकसौ ग्यारह
२५ पच्चीस	५० पचास	७५ पचहत्तर	१०० सौ	११११ ग्यारह हजार एकसौ ग्यारह

अर्जी वास्ते हजूर साहिब मजिस्ट्रेट के

गरीब परवर सलामत जनाब आली जो लाकड़ आ खेत १२ बीघ लंबर ५० गांव तरसी कि जमींदारी परमा ठाकुर की है उस खेत की मेंड से दीनानाथ चौधरी का खेत मिला है वह उसे १५ बरस से जोतता चला आता है कभी आपस में तकरार नहीं हुई अब जमींदारों के बहकाने से उसने मेरे खेत की मेड़ तोड़ कर तीन बीघे खेत अपने खेत में मिला लिया और जब मैंने यह देखा और उससे कहा कि तूने मेरा खेत अपने खेत में क्यों मिला लिया तब उसने दो चार लाठियां ऐसी मारीं कि ताकत उठने बैठने की भी न रही और लाठी की चोट से सिर में एक अंगुल गहरा घाव आ पड़ा है इसकी रिपोर्ट भी थाने में लिखी गई है इसलिये यह अर्जी हजूर में गुजरान कर उम्मेदवार हूं कि मुद्दई आलेह को बुलाकर बसूरत तहकीकात के उसे सजा [illegible] दी जावे आपका व दौलत और इकबाल कायम रहे शाह चकलादार बाजिनया सो अरज किया ॥ अर्जी फिदवी सुजान सिंह रहनेवाला मौजअ तारसी लिखी २० [illegible] सन् १८ ८२ ईसवी ॥

दिने

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

नाम माला हिन्दू मर्द

अमोलिक राम	अमान सिंह	अनंत राम	अजीत राम	अर्जुन सिंह	अनरसिंह
ओसेरी नाथ	ओसान सिंह	ओंकार नाथ	ओलाद राम	औसध मन	ओरी सिंह
इच्छा राम	इंदर सिंह	इंदर मन	इन्साफ़ राम	ईदां मन	इज्जत राम
उदय चंद	उजागर सिंह	उदय राज	उग्रसेन	उमेद राम	उमराव सिंह
कुंजमन	केसरी सिंह	कुंदन लाल	केवल किशन	कृपाराम	केशव दास
खिम चंद	खूब सिंह	ख्यालीराम	खुशालराय	खरगी	खेडा सिंह
गुपालराय	गणेश सिंह	गोकुलपरशाद	गिरधारीलाल	गुलबी	गोवर्धन
चिंता राम	चुन्नीसिंह	चिंता मण	चन्द्रभानु	चतरी	चत भुज
छेदालाल	छोटे सिंह	छटम्मीलाल	छगन लाल	छतर मल	छत्रपत
जवाहरमल्ल	जीत सिंह	जैजैराम	जोती परशाद	जोगा वली	जसोदानंद
झूमक राम	झडन सिंह	झमनलाल	झांजन राय	झुन्नी लाल	झूमा
डोरू नाथ	डुमर सिंह	डालचन्द	डूंगर मल	डाल जीत	डोरू
तोता राम	तेज सिंह	तुलसीराम	तारा चन्द	तनसुख	तिलोक चन्द
देव सेन	दिलीप सिंह	दिलसुखराय	दमडी लाल	दयाव सिंह	दयाशंकर
धीर मल्ल	धन सिंह	धनपतराय	धन्नूलाल	धरम जीत	धोकल सिंह
नंद राम	नरपत सिंह	नेकराम	नैनसुख	नरायण परशाद	नत्थू सिंह
परम सुख	पंचम सिंह	परस राम	पियारे लाल	पलटे राम	प्रताप सिंह
ब्रज नाथ	बिशन सिंह	बालक राम	बलदेव परशाद	ब्रजभूषन	बाबू लाल
भगवती परशाद	भोलानाथ	माधुसुख	भोपत राय	भगवान दास	भीम सेन
मूलचन्द	मोहन सिंह	मङ्गलराय	मुरारी लाल	मुरलीधर	मानकचन्द
राम राम	रूप सिंह	रामकृष्ण	रामधन	रनधीर	राम्‌ू
लायक चन्द	लाल सिंह	लोचन परशाद	लाल जीत	लाल राम	लछमन सिंह
शिवचरण	शिवदयाल	शिवनरायण	शोवकराम	श्यामसुन्दर	शत्रु जीत
सदासुख	सुंदरसिंह	सीता राम	सुखलाल	सबल जीत	सेवकराय
हरसुखराय	हरदेव सिंह	हर लाल	हजारीमल्ल	हेत राम	हरदत्त राय

अर्जी वास्ते हजूर साहिब मजिस्ट्रेट के

गरीब परवर सलामत जनाब आली नरायण अहीर चोर और बदचलन है और मैं ने और कई एक भले आदमियों ने उसे बहुत समझाया लेकिन उसकी समझ में कुछ न आया वह अक्सर रात के वक्त आसामियों के खेतों को काट लेजाता है और उसी का खेत काटते पकड़ भी लिया और चाहा कि थाने को पहुंचादें तब उसने कहा कि मैं फिर ऐसा काम न करूंगा लेकिन वह वही काम करता है इसवास्ते हजूर में फ़ौजदारी की राह से नालिश करता हूं कि तहक़ीक़ात बदचलन उसके की होकर उसे सजा दीजावे कि इस हरकत और नुकसान से बचें गवाह इस मुकदमह के सूरज काछी और हीरा लाल बनियां रहने वाले इसी गांव के हैं वाजिब था सो अर्ज किया ॥ फिदवी मनोहर ब्राह्मण रहने वाला सांनई जिलअ मथुरा लिखी हुई ४ जेनुअरी सन १८५३ ईसवी

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

नाम माला हिन्दू औरत

अद्यानी	अनबोली	अनन्दी	अनूपी	अहिल्या	अनतिया
औथानकुंवर	औमानकुंवर	औहान कुंवर	औथरमकुंवर	औथरनकुंवर	औसेरकुंवर
इन्दरकुंवर	इशरिया	इन्दरमती	इन्दरानी	इन्दिया	इछिनी
उमेदी	उगरमती	उमरानी	उमदा	उद्यानी	ऊखा
कमली	करम कुंवर	कलियानी	कानकुंवर	किशनी	कामकुंवर
खुशाली	खेलिया	खेर कुंवर	खन्नी	खन्तरिया	खनसरिया
गौरा	गोमती	गने शी	गंगा	गुलाबी	गंगिया
चुन्ना	चैना	चिन्ना	चुन्नी	चित्तर कुंवर	चेत कुंवर
छबीली	छोटिया	छत्तर मती	छनिया	छगिया	छतिया
जमना	जेका	जसोधा	जीवनी	जीसुखी	जसमती
झुन्नी	झुमा	झमकन	झमकिया	झलरिया	झरिया
डलिया	डूल कुंवर	डन्नो	डालो	डुबडिया	डुमधा
तरिया	तुलसिया	तोतिया	तिजिया	ननसुखी	तुलधा
दुर्गा	दयाली	दयालो	देवकी	दिलसुखी	दुनिया
धनियाँ	धन्ना	धरमियाँ	धन्को	धनकुंवर	धनसिरिया
नेन कुंवर	नवलिया	नवलकिशोरी	ननिकिया	नन्दी	निधिया ॥
पारवती	पियारी	पियानी	पिरिया	परमिया	पनिया
बिरजो	बाल कुंवर	बिसनिया	बिथा	बुधनिया	बसन्ती
भामा	भवानी	भगवती	भोजा	भुरिया	भगवनिया
मोती	मालानी	मिन्डा	मैना	मनोदरी	मोहनिया
धरा	रतनी	रुकिया	राजदुलारी	रंगीली	रुकमिन
लाल कुंवर	ललिया	लछमी	ललिता	लोककुंवर	लडिया
शिताबी	शिवचरनी	शिवदयाली	श्याम सुंदरी	शिवनिया	शंकरिया
सुंदर	सरस्वती	सिवली	समलिया	सती	सजनिया
हर कुंवर	हुकिया	हरानी	हन्सो	हिमंचली	हरफूलिया

अर्ज़ी वास्ते हुजूर साहिब कलेक्टर के

गरीब परवर सलामत

खुदावंदा मैं कि पट्टीदार गाँव रायपुर काहूं और कागज पटवारी व बंदोबस्त में नाम मेरा दाखिल है और अब मेरा ज़मींदार मुझको दखल नहीं देता इसवास्ते लाल राम दयाल को फ़िदवी अपना वकील करके यह अर्ज करता है बाद सचाई दरया वे मेरे के मुझ कोदख़ल अपनी पट्टी पर दिलाया जावे वाजिब जानकर अर्ज़ किया ॥ अर्ज़ी मेरा पट्टीदार मौज़ा रायपुर लिखी हुई १९ नोवेंबर सन् १८ ५२ ईसवी ॥ ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

नाम माला मुसलमान मर्द

अमीर अली	अनवर अली	अलफ खां	अकबर अली	अलीबख्श	अजीजबेग
आल रसूल	आलइमान	आलमखां	आबाबकर	अलीबख्श	आज़मअली
इमाम अली	इकरामहुसैन	इनायतहुसैन	इब्राहिमखां	इसहाक	इलाहीबख्श
उस्मानअली	उमरावहुसैन	उमेदखां	ऊदखां	उमाखां	उलफतहुसैन
कालेखां	करमहुसैन	कासिमखां	कादरअली	किफायतअली	कासमअली
खुरशैदअली	खुदायारखां	खादिमखां	खुदाबख्श	खन्नूखां	खैराती खां
गोहरअली	गुलाम हुसैन	गज्जूखां	गोस खां	गुलामनबी	गनी बेग
चांद खां	चुन्नू खां	चतरखां	चावलखां	चीनेरखां	चिम्मनखां
छोटे खां	छेदा खां	छाजमखां	छतरखां	छुरीबाजखां	छज्जू खां
जालिमअली	जैनउद्दीन	जंगबाजखां	जहानखां	जमैइतखां	जहांगीरखां
तुराबखां	तहव्वुरखां	तालिबहुसैन	तफज्जुलहुसैन	तसद्दुकहुसैन	तालेमन्द खां
दाइमखां	दिलावरखां	दलेलखां	दराबखां	दौलत खां	दिलदारखां
नबी बख्श	निजामउद्दीन	नामदारखां	नसरत खां	नन्हू खां	नवाबअली
पीर बख्श	पनाहउल्ला	पीर खां	परमू खां	पीरू	पलटे खां
फैज अली	फाज़िलखां	फौजदारखां	फतहदगारखां	फज्जू	फखरउद्दीन
बिशारतअली	बादउल्लाह	बाजखां	बहादुरखां	बुद्धू	बन्ने खां
भूरेखां	भादलखां	भागलखां	भग्गू खां	भीकनखां	भद्दू खां
मुहम्मदअली	मदार बख्श	मन्नू खां	मियां खां	मिन्हा खां	मुस्तफाखां
यूसफ अली	यासीनखां	याकूबखां	याकूत खां	यारउलदीन	यूनसदादखां
रोशन अली	रमजानअली	रहमतअली	रुस्तमखां	रहमअली	रहीमबख्श
लतफअली	लाल खां	लतीफखां	लशकरीखां	लाजिम अली	लजीजखां
वाहद अली	वाजिदअली	वजीरखां	वली खां	वारिस अली	वहाबखां
शहाबअली	शेर अली	शाहीदअली	शमशेरअली	शाकरउल्लाह	शमशउद्दीन
सआवतअली	सादिक अली	सरदारखां	साहिबखां	सफदरअली	सरफराजखां
हिम्मतअली	हाशिमअली	हसनखां	हुशियारखां	हिमायतअली	हशमतअली

अर्जी वास्ते हुजूर साहिब कलेक्टरके

गरीब परवर सलामत

जनाब आलीमें मौजा रायपुर में मौजा ४ बीघे खेत ऊपर पटे १० रुपयेके २५ बरस से चला आताहूं और कागज पटवारी में भी मेरे नाम लिखा है अब इस साल मैंमोहन सिंह जिमीदार बेईमान होकर ३० रुपये इस खेतके मांगताहै और कहताहै अगर हदस रुपये जियादा नदेगा तो बहुत फसाद उठैगा इसलिये अर्जी हुजूर में गुजरान कर उम्मेदवार हूं कि सरकार से ऐसा हुकम होने कि इस आफत से बचूं वाजिब था सो अर्ज किया ॥

फिदवी माखन आसामी गांव रायपुर तारीख १० अगस्त सन् १८५२ ईसवी ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

नाम माला मुसलमान औरत					
अहसानो	अमीजो	अनूबन	अमीमन	अमीरन	अलफन
आमानो	आसानी	आयशा	आकलान्	आनो	आदलो
इमामन	इससो	इज्जात	इम्मा	इलाही	इदो
उदिया	उम्मा	ऊमा	उमदा	उसमानी	ऊखा
कम्मा	कामया	कोकिला	किस्सो	केसर	करीमन्
खूबन्	खेरन्	खुरशैदी	खेरउल निसा	खातमा	खनिया
गुलाबो	गिल्लो	ग़फ़ूरो	ग़रजना	गुलशाही	गुलशन
चम्मा	चमीटी	चन्नी	चिया	चासो	चूरन्
चमेली	चंदो	चंदिया	चातरी	चुन्नी	चंपा
छम्गो	छिम्गा	छुन्नो	छहो छो	छक्को	छजिया
जमानी	जंगो	जलीवो	जा नाफ़री	ज़हूरन्	जगमग
झुमकी	झीमरी	फाजनबख्श	झुन्नी	कगो	फेडो
डमया	डगरो	डल्लो	डारो	डालो	डाकरा
धन्नो	दीदारो	दरदानी	दीदारो	दाऊदी	दिलवारो
नसीबन	नौरतन	नबिया	नाज़ुक	निजामो	नूरन
पिंडकी	पन्नो	पियाजो	पिरिया	पनाही	पीरो
फ़जिया	फ़रीदी	फ़ातमा	फ़ाजलो	फ़हीमन	फ़ूरी
बेला	बुन्दो	बन्नो	बीबो	बीजान्	बाती
महबूबन्	महताब	मदारो	मोना	मुगलो	मुमताजन
रज्जन	रनूगो	राजो	रूपा	रमजानी	रहीमन्
लाडो	लल्लो	लतीफन्	लालो	लाडली	लच्छी
वफ़ातन	वजीरन्	वासला	वाजदा	वसफन्	वरसन्
शरीफन्	शुरफा	शादावी	शीरा	शामलयाम	शाकरन्
सुलतानी	सुन्दर	सबदानी	सितारो	सदविया	सजनी
हसनी	हिलाली	हीरो	हूरन	हिद्दो	हबीबन्
	अर्जी वास्ते हुजूर साहिब जजके			।	

गरीबपरवर सलामत

जनाब आली बतारीख २५ जून सन् १८ ५२ ईसवी बदआवे दिलापावने मबलग चहरेदार बाबत समझने हिसाब किताब गांव रायपुर बनाम लायक सिंह और मान सिंह जमीदारान् गांव मज़कूर पर अर्जी मुनसफी में गुजरानी थी और मुनसिफ साहिब ने बतारीख १५ जूलाई सन् १८ ५२ कोदआवे मुद्दई का डिशमिस फरमाया इसवास्ते अपना नुकसान समझ कर उम्मेदवार हूं कि आप इस दरख्वास्त अपील नाराजगी फ़ैसला मुनसिफ़ फ़कूदको मन्जूर फ़रमावें ॥

फ़िदवी गोवर्द्धन दास लिखी हुई १३ जूलाई सन् १८ ५२ ईसवी ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

पहाड़े

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०
३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०
४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०
५	१०	१५	२०	२५	३०	३५	४०	४५	५०
६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६०
७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	६३	७०
८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	६४	७२	८०
९	१८	२७	३६	४५	५४	६३	७२	८१	९०
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००
११	२२	३३	४४	५५	६६	७७	८८	९९	११०
१२	२४	३६	४८	६०	७२	८४	९६	१०८	१२०
१३	२६	३९	५२	६५	७८	९१	१०४	११७	१३०
१४	२८	४२	५६	७०	८४	९८	११२	१२६	१४०
१५	३०	४५	६०	७५	९०	१०५	१२०	१३५	१५०
१६	३२	४८	६४	८०	९६	११२	१२८	१४४	१६०
१७	३४	५१	६८	८५	१०२	११९	१३६	१५३	१७०
१८	३६	५४	७२	९०	१०८	१२६	१४४	१६२	१८०
१९	३८	५७	७६	९५	११४	१३३	१५२	१७१	१९०
२०	४०	६०	८०	१००	१२०	१४०	१६०	१८०	२००
२१	४२	६३	८४	१०५	१२६	१४७	१६८	१८९	२१०
२२	४४	६६	८८	११०	१३२	१५४	१७६	१९८	२२०
२३	४६	६९	९२	११५	१३८	१६१	१८४	२०७	२३०
२४	४८	७२	९६	१२०	१४४	१६८	१९२	२१६	२४०
२५	५०	७५	१००	१२५	१५०	१७५	२००	२२५	२५०
२६	५२	७८	१०४	१३०	१५६	१८२	२०८	२३४	२६०
२७	५४	८१	१०८	१३५	१६२	१८९	२१६	२४३	२७०
२८	५६	८४	११२	१४०	१६८	१९६	२२४	२५२	२८०
२९	५८	८७	११६	१४५	१७४	२०३	२३२	२६१	२९०
३०	६०	९०	१२०	१५०	१८०	२१०	२४०	२७०	३००
३१	६२	९३	१२४	१५५	१८६	२१७	२४८	२७९	३१०
३२	६४	९६	१२८	१६०	१९२	२२४	२५६	२८८	३२०
३३	६६	९९	१३२	१६५	१९८	२३१	२६४	२९७	३३०
३४	६८	१०२	१३६	१७०	२०४	२३८	२७२	३०६	३४०
३५	७०	१०५	१४०	१७५	२१०	२४५	२८०	३१५	३५०
३६	७२	१०८	१४४	१८०	२१६	२५२	२८८	३२४	३६०
३७	७४	१११	१४८	१८५	२२२	२५९	२९६	३३३	३७०
३८	७६	११४	१५२	१९०	२२८	२६६	३०४	३४२	३८०
३९	७८	११७	१५६	१९५	२३४	२७३	३१२	३५१	३९०
४०	८०	१२०	१६०	२००	२४०	२८०	३२०	३६०	४००

विकट पहाड़े

१॥	१॥	२।
१॥	२॥	३॥।
१॥	३॥	५।
१॥	४॥	६॥।
१॥	५॥	८।
१॥	६॥	९॥।
२॥	१॥	३॥।
२॥	२॥	६।
२॥	३॥	८॥।
२॥	४॥	११।
२॥	५॥	१३॥।
२॥	६॥	१६।
३॥	१॥	५।
३॥	२॥	८॥।
३॥	३॥	१२।
३॥	४॥	१५॥।
३॥	५॥	१९।
३॥	६॥	२२॥।
४॥	१॥	६॥।
४॥	२॥	११।
४॥	३॥	१५॥।
४॥	४॥	२०।
४॥	५॥	२४॥।
४॥	६॥	२९।
५॥	१॥	८।
५॥	२॥	१३॥।
५॥	३॥	१९।
५॥	४॥	२४॥।
५॥	५॥	३०।
५॥	६॥	३५॥।
६॥	१॥	९॥।
६॥	२॥	१६।
६॥	३॥	२२॥।
६॥	४॥	२९।
६॥	५॥	३५॥।
६॥	६॥	४२।

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

	पावा	आधा	पौना	सवैया	डोढा	ढैया	हूंठा	पोंचा	पोंवा	खोंवा	छोटी गुणा	बड़ी गुणा
१	।	॥	॥।	१।	१॥	२॥	३॥	४॥	५॥	६॥	१२१	१
२	॥	१	१॥	२॥	३	५	७	९	११	१३	१३२	४
३	॥।	१॥	२।	३॥।	४॥	७॥	१०॥	१३॥	१६॥	१९॥	१४३	९
४	१	२	३	५	६	१०	१४	१८	२२	२६	१५४	१६
५	१।	२॥	३॥।	६।	७॥	१२॥	१७॥	२२॥	२७॥	३२॥	१६५	२५
६	१॥	३	४॥	७॥	९	१५	२१	२७	३३	३९	१७६	३६
७	१॥।	३॥	५।	८॥।	१०॥	१७॥	२४॥	३१॥	३८॥	४५॥	१८७	४९
८	२	४	६	१०	१२	२०	२८	३६	४४	५२	१९८	६४
९	२।	४॥	६॥।	११।	१३॥	२२॥	३१॥	४०॥	४९॥	५८॥	२०९	८१
१०	२॥	५	७॥	१२॥	१५	२५	३५	४५	५५	६५	२२०	१००
११	२॥।	५॥	८।	१३॥।	१६॥	२७॥	३८॥	४९॥	६०॥	७१॥	१३२	१२१
१२	३	६	९	१५	१८	३०	४२	५४	६६	७८	१४४	१४४
१३	३।	६॥	९॥।	१६।	१९॥	३२॥	४५॥	५८॥	७१॥	८४॥	१५६	१६९
१४	३॥	७	१०॥	१७॥	२१	३५	४९	६३	७७	९१	१६८	१९६
१५	३॥।	७॥	११।	१८॥।	२२॥	३७॥	५२॥	६७॥	८२॥	९७॥	१८०	२२५
१६	४	८	१२	२०	२४	४०	५६	७२	८८	१०४	१९२	२५६
१७	४।	८॥	१२॥।	२१।	२५॥	४२॥	५९॥	७६॥	९३॥	११०॥	२०४	२८९
१८	४॥	९	१३॥	२२॥	२७	४५	६३	८१	९९	११७	२१६	३२४
१९	४॥।	९॥	१४।	२३॥।	२८॥	४७॥	६६॥	८५॥	१०४॥	१२३॥	२२८	३६१
२०	५	१०	१५	२५	३०	५०	७०	९०	११०	१३०	२४०	४००
२१	५।	१०॥	१५॥।	२६।	३१॥	५२॥	७३॥	९४॥	११५॥	१३६॥	१४३	४४१
२२	५॥	११	१६॥	२७॥	३३	५५	७७	९९	१२१	१४३	१५६	४८४
२३	५॥।	११॥	१७।	२८॥।	३४॥	५७॥	८०॥	१०३॥	१२६॥	१४९॥	१६९	५२९
२४	६	१२	१८	३०	३६	६०	८४	१०८	१३२	१५६	१८२	५७६
२५	६।	१२॥	१८॥।	३१।	३७॥	६२॥	८७॥	११२॥	१३७॥	१६२॥	१९५	६२५
२६	६॥	१३	१९॥	३२॥	३९	६५	९१	११७	१४३	१६९	२०८	६७६
२७	६॥।	१३॥	२०।	३३॥।	४०॥	६७॥	९४॥	१२१॥	१४८॥	१७५॥	२२१	७२९
२८	७+	१४	२१	३५	४२	७०	९८	१२६	१५४	१८२	२३४	७८४
२९	७।	१४॥	२१॥।	३६।	४३॥	७२॥	१०१॥	१३०॥	१५९॥	१८८॥	२४७	८४१
३०	७॥	१५	२२॥	३७॥	४५	७५	१०५	१३५	१६५	१९५	२६०	९००
३१	७॥।	१५॥	२३।	३८॥।	४६॥	७७॥	१०८॥	१३९॥	१७०॥	२०१॥	१५४	९६१
३२	८	१६	२४	४०	४८	८०	११२	१४४	१७६	२०८	१६८	१०२४
३३	८।	१६॥	२४॥।	४१।	४९॥	८२॥	११५॥	१४८॥	१८१॥	२१४॥	१८२	१०८९
३४	८॥	१७	२५॥	४२॥	५१	८५	११९	१५३	१८७	२२१	१९६	११५६
३५	८॥।	१७॥	२६।	४३॥।	५२॥	८७॥	१२२॥	१५७॥	१९२॥	२२७॥	२१०	१२२५
३६	९	१८	२७	४५	५४	९०	१२६	१६२	१९८	२३४	२२४	१२९६
३७	९।	१८॥	२७॥।	४६।	५५॥	९२॥	१२९॥	१६६॥	२०३॥	२४०॥	२३८	१३६९
३८	९॥	१९	२८॥	४७॥	५७	९५	१३३	१७१	२०९	२४७	२५२	१४४४
३९	९॥।	१९॥	२९।	४८॥।	५८॥	९७॥	१३६॥	१७५॥	२१४॥	२५३॥	२६६	१५२१
४०	१०	२०	३०	५०	६०	१००	१४०	१८०	२२०	२६०	२८०	१६००

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

नकदका नकशा ॥

२ दमड़ी की १ छदाम
२ छदाम का १ धेला
२ धेलो का १ पैसा
२ पैसा का १ टका ।।
२ टको का १ आना =)
१२ पाई का १ आना =)
१६ आनो का १ रुपया १)
१६ रुपयो की १ मोहर १६)

१ दमड़ी १४। चौदह टके
६ छदाम १५। पन्द्रह टके
९ तीन दमड़ी १ पाई एकपाई
१२ धेला २ पाई दो पाई
१५ पांच दमड़ी) ।। पाव आना
१८ पौन पैसा)॥ आध आना
२२॥ सात दमड़ी)॥। पौना आना
२५ पैसा -) आना
२८ दमड़ी पैसा -)। सवा आना
३१ सवा पैसा -)॥ डेढ़ आना
३४ तीनदमड़ीपैसा -)॥। पौनेदोआने
३७॥ डेढ़ पैसा =) दो आने
४० पांचदमड़ीपैसा =)। सवादोआने
४४ पौनेदोपैसे =)॥। अढ़ाईआने
४७॥दमड़ी कमटका =)॥। पौनेतीनआ०
१। टका ≡) तीन आने
२। दोटके ≡)। सवातीनआने
३। तीन टके ≡)॥ साढ़ेतीन आने
४। चार टके ≡)॥। पौने चार आने
५। पांच टके ।) चार आने
६। छः टके ।)। सवा चारआने
७। सात टके ।) साढ़े चार
८। आठ टके ।)॥। पौने पांचआने
९। नौ टके ।-) पांच आने
१०। दस टके ।-)। सवा पांचआने
११॥ ग्यारह टके ।-) साढ़ेपांच आने
१२। बारह टके ।-)॥। पौनेछःआने
१३ तेरह टके ।=) छः आने

।=)। सवा ६ आने
।=) ॥ साढ़े ६ आने
।=)॥। पौने ७ आने
।≡) सात आने
।≡)। सवा ७ आने
।≡) साढ़े ७ आने
।≡)॥। पौने ८ आने
॥) आठ आने
॥)। सवा ८ आने
॥)॥ साढ़े ८ आने
॥)॥। पौने ९ आने
॥-) नौ आने
॥-)। सवा ९ आने
॥-)॥ साढ़े ९ आने
॥-)॥। पौने १० आने
॥=) दस आने
॥=)। सवा १० आने
॥=) साढ़े १० आने
॥=) पौने ११ आने
॥≡) ग्यारह आने
॥≡)। सवा ११ आने
॥≡)॥ साढ़े ११ आने
॥≡)॥। पौने १२ आने
॥।) बारह आने
॥।)। सवा १२ आने
॥।)॥ साढ़े १२ आने
॥।)॥। पौने १३ आने
॥।-) तेरह आने
॥।-)। सवा १३ आने
॥।-)॥ साढ़े १३ आने
॥।-)॥। पौने १४ आने
॥।=) चौदह आने
॥।=) सवा १४ आने
॥।=)॥ साढ़े १४ आने
॥।=)॥। पौने १५ आने
॥।≡) पन्द्रह आने
॥।≡)। सवा १५ आने

॥।≡)॥ साढ़े १५ आने
॥।≡)॥। पौने १६ आने
१) रुपया
२५॥≡) ७ पाई
२५ रुपये ११ आने ७ पाई
१८॥।=) २ पाई
१८ रुपये १४ आने २ पाई
८=) १० पाई
८ रुपये २ आने १० पाई
१५।≡) ५ पाई
१५ रुपये ७ आने ५ पाई
६२॥।=) ।। १५ दमड़ी
६२ रुपये १४ आने १ टका ५ दमड़ी
९० ।≡)।। २५
९० रुपये ११ आने तीन पैसे
११॥।८) ।।९
११ रुपये १० आने १ टका २ दमड़ी
२२॥।=) ।। ३१ ढ़ी
२२ रुपये १० आने ३ पैसा २ दमड़ी
२२०=) ३७ ॥
२२० रुपये २ आने डेढ़ पैसा
३१॥≡) ।।२५
३१ रुपये ११ आने ३ पैसे
७५०) १० पाई
७५ रुपये ६ आना १० पाई
४०≡) ९ पाई
४० रुपये ३ आने ९ पाई
४५-) ११ पाई
४५ रुपये १ आना ११ पाई
२०।-) ८ पाई
२० रुपये ५ आने ८ पाई
५०॥।) ७ पाई
५० रुपये १२ आने ७
४२=) १० पाई
४२ रुपये २ आने १० पाई
१०२॥।≡) ११ पाई
१०२ रुपये १४ आने ११ पाई

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

नकशह वक्त और माप ज़मीन वगैरह

नकशह वक्त का

हिंदुस्तानी	
६० विपलका	१ पल
६० पलकी	१ घड़ी
६० घड़ी का	१ दिन
३० दिन का	१ महीना
२ महीनेकी	१ ऋतु
६ ऋतु	
१२ महीने या] का	१ साल

अंग्रेज़ी	
६० सेकंडका	१ मिनट
६० मिनट का	१ घंटा
२४ घंटेका	१ दिन
७ दिन का	१ हफ्ता
३० दिन का	१ महीना
१२ महीने	
३६५ दिन का या] का	१ साल

माप ज़मीन

३३ इंच / २४ तसू या] का	१ गज़ हिंदुस्तानी
३ गज हिंदुस्तानी	१ गट्ठा
२० गट्ठे / ६० गज हिंदुस्तानी या] की	१ जरीब
१ जरीब मुरब्बा	बीघा

२० नन्वान्सीकी	१ नन्वान्सी
२० नन्वान्सी की	१ कचवान्सी
२० कचवान्सी की	१ बिस्वान्सी
२० बिस्वान्सी का	१ बिस्वा
२० बिस्वेका	१ बीघा

माप में बिस्वान्सी से आगे नहीं लिखते

माप लंबाई

जहां किसी चीज़ की लंबाई मापनी हो वहां यह माप काम आती है

हिंदुस्तानी	
८ दाने राई का	१ जौ
८ जौ पेटे का	१ अंगुल
३ अंगुल का	१ गिरह
१२ अंगुल वा ४ गिरहका	१ बालिश्त
२ बालिश्त वा ८ गिरहका	१ हाथ
२ हाथ वा १६ गिरहका	१ गज
२ गज का	१ दंड
१००० दंडका	१ कोस

विलायती	
३ खड़े जौ विलायतीका	१ इंच
१२ इंच का	१ फुट
३ फुट का	१ गज
५½ गज का	१ पोल
४० पोलका	१ फर्लांग
८ फर्लांगका	१ मील
२ मील का	१ कोस

मापमुरब्बा

ज़मीन के मापने में जहां लंबाई और चौड़ाई दोनों पड़ती हैं वहां यह काम आता है॥ वगैरह इन दोनों माप के मुरब्बा नहीं होसकता है॥

१४४ मुरब्बा इंचका	१ मुरब्बा फुट
९ मुरब्बा फुट का	१ मुरब्बा गज
३०¼ मुरब्बा गज का	१ मुरब्बा पोल
४० मुरब्बा पोलका	१ रूड
४ रूडका	१ एकड़
६४० एकड़का	१ मुरब्बा मील

माप मुकस्सर

जैसे पाई दीवार वा कंकर के ढेर वगैरह में जहां लंबाई और चौड़ाई और मुटाई तीनों पड़ती हैं वहां यह काम आता है॥ वगैरह इन तीनों माप के माप मुकस्सर नहीं होगी

१७२८ मुकस्सर इंच का	१ मुकस्सर फुट
२७ मुकस्सर फुटका	१ मुकस्सर गज

मुरब्बा और मुकस्सर माप फैलाने की रीत यह है कि फुट और फुट को आपस में गुणा करने से फुट होते हैं॥ फुट और इंच को आपस में गुणा करने से इंच होते हैं॥ इंच और इंच को आपस में गुणा करने से कच्चे इंच होते हैं॥ कच्चे इंच में १२ का भाग देने से इंच होते हैं और इंच में १२ का भाग देने से फुट होते हैं॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

हफ्ता के दिनों के नाम ॥ ✻ ॥

हिन्दुस्तानी	हिन्दवी	संस्कृत	अंग्रेजी	फारसी
इतवार	रविवार	आदित्यवार	सन्डे	एकशम्बः
सोमवार	सोमवार	चन्द्रवार	मन्डे	दोशम्बः
मंगलवार	मंगलवार	भोमवार	ट्यूसडे	सिशम्बः
बुध	बुधवार	सौमवार	वेड्नसडे	चहारशम्बः
जुमेरात	बृहस्पतिवार	गुरुवार	थर्संडे	पंजशम्बः
जुमा	शुक्रवार	भृगुवार	फ्रैडे	जुमअ
शनीचर	सनिवार	शनिवार	साटरडे	शम्बः

ऋतों और महीनों के नाम + ॥

वसन्त	ग्रीष्म	वर्षा	शरद्	हेमन्त	शिशिर
१ चैत	३ जेठ	५ सावन	७ कुवार	९ अगहन	११ माघ
२ वैसाख	४ आसाढ़	६ भादों	८ कातिक	१० पूस	१२ फागुन

ये महीने चंद्रमा की गति परहैं और ३५५ दिनका एक बरस होताहै ॥ हरबरसमें अंग्रेजी बरससे दस दिन का अन्तर पड़ताहै परंतु तीसरे बरस लौंदका महीना आकर बह अन्तर निकलजाताहै जिस बरसमें लौंद पड़ता है उससे दो बरस तक लौंद नहीं आताहै। लौंदसे तीसरे बरस फिर लौंद आताहैं ॥ इन महीनोंमें तीस तीस तिथें होती हैं उन तिथों में से पन्द्रह तिथोंका अंधेरा पाख वदी कहाताहै और पन्द्रह तिथोंका उजेला पाख सुदी कहाताहै ॥

अरबी महीनों के नाम ॥

१ मुहर्रम	३ रबीउलअव्वल	५ जमादिउलअव्वल	७ रजब	९ रमज़ान	११ जीक़ाद
२ सफ़र	४ रबीउलसानी	६ जमादिउलसानी	८ शाबान	१० शव्वाल	१२ ज़िलहिज्ज

ये महीने चंद्रमा की गति परहैं ॥ ३५४ दिनका इनका एक बरसहै ॥ और हिंदी बरस में लौंद पड़ताहै ॥ इसकारण अनुमान से मुहर्रम महीना जिस हिंदी महीने में होता है तीसरे बरस उस महीने से पहले में होताहै ॥ ✻ ॥

अंग्रेजी महीनों के नाम ॥

१ जनवरी ३१	३ मार्च ३१	५ मे ३१	७ जूलाई ३१	९ सेपतेम्बर ३०	११ नवेंबर ३०
२ फेबरुअरी २८। २९	४ एप्रेल ३०	६ जून ३०	८ आगस्त ३१	१० अकतोबर ३१	१२ दिसेम्बर ३१

ये महीने सूर्य की गतिपरहैं तीन सौपैंसठ दिनकापूरा बरस होताहै और चौथे बरस फेबरुअरीका महीना २९ दिनका होता है उसकी यह पहचानहै कि जिस ईसवीसन् में पूरा चार का भाग लग जाय उसीसन् में फेबरुअरी का महीना २९ दिनका होताहै ॥ ✻ ॥ ✻ ॥ ⁂ ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

धात	पेड़	छोटे पेड़	फूल	तरकारी	मेवा	बीज	पेड़ों के रोग
सोना	आम	चांदनी	गुलाब	चौया	बादाम	गेहूं	झुलसा
चांदी	जामन	बेन	केवड़ा	रतालू	छुहारा	धान	तुषार
लोहा	सारू	मेंहदी	चम्बेली	जमीकंद	किशमिश	कंगनी	रतवा
खेड़ी	बड़हल	झड़बेरी	बेला	शलगम	पिश्ता	जौ	रूवा
इस्पात	कटहल	झंडी	मोगरा	भसींडा	चिलगोजे	जई	गिरदी
फौलाद	बेल	झौंसा	मोतिया	गाजर	नासपाती	चना	रूहा
चुम्बक	बेर	जयंती	जूही	मूली	आम	बाजरा	लैंठा
तांबा	इमली	धतूरा	केतकी	बैंगन	अंगूर	जुआर	कंडुआ
पीतल	खिन्नी	आक	चंपा	तुरई	कमरख	मक्का	कांझर
कसीकूट	फालसा	भटकटाई	जाफरी	कद्दू कडुआ	खरबूजा	उर्द	गडुआ
फूल	गूलर	अरकसाव	दाऊदी	चचेड़ा	सफरीआम	मूंग	माऊं
रांग	महुआ	झिलमिली	सोसन	अरवी	खिन्नी	अरहर	सूतरी
जस्त	ताड़	जवासा	गुलशब्बो	सेम	बिह	रवांस	गिड़र
सीसा	खजूर	गोखरू	गुलतुर्रा	भिण्डी	नारंगी	मोठ	लोपयां
सुरमा	नारियल	सांखाहुली	गुलमेंहदी	करेला	शरीफ़ा	मटर	पई
पारा	छुहारा	नीमजल	गुलअब्बास	कलीकचना	बेर	मसूर	काना
संगरफ़	अनार	सुदर्शन	गुलमखमली	गोभी	खरबूज	बिनौला	गदयाला
रसकपूर	नारंगी	धमरा	गेंदा	परवल	चकोतरा	खुर्थी	पीराई
शंख	नींबू	शामस	दुपहरिया	सागमेथी	फ़ालसा	तिल	बंधा
हरताल	अंजीर	इन्द्रायन	सूरजमुखी	सागपालक	अनार	सरसों	उखटा
नीलाथोथा	नीम	मकोय	टेसू	सागबथुआ	केला	राई	उड़ना
नौसादर	शीशम	पत्थरचट	कचनार	सागसरसों	जामन	अंडी	गाज
हीराकसीस	बड़	पहाड़ीगोखरू	कलगा	सागकरमकल्ला	अंजीर	जीरा	मूसा
सिंदूर	पीपल	ब्रह्मदंडी	चांदनी	सागमिस्सी	बेल	सौंफ	अगिया
मुरदासंग	बंबूल	सत्यानाशी	हारसिंगार	आलू	सेब	धनिया	मकोड़ा

पट्टे लिखने की रीति ॥

मैं रामस्वरूप मालगुजार मौजअ कीरम परगनह फ़रह ज़िलअ आगरा का इस गाँवमें मैनेथरणी बीघे ११) अंकन ग्यारह बीघे सात बिस्वे नंबर ४ व ३२ व ३८ की रामचन्द्र काश्तकार को बमूजिब क़बूलियत के आगे सन् फ़सली १२९० से १२९२ तक दो बरस के लिये इस शरह पर दी है कि सन् फ़सली १२९२ में निज़कारी का तिहाई बटर और इसके सिवाय सरकार के हिस्सह पर फ़ी मन खर्च एक सेर और लबनी की ब्राहर सरकारी जरीब के पक्के बीघे पर यह है बाड़ी ३) चरी ।।।) इसके सिवाय फ़ी रुपये पर खर्च अधन्नी और सन् फ़सली १२९२ में चुकौता रुपये ३५ अंकन पैंतीस बमूजिब सरकारी किश्त के लूंगा सिवाय इस के सरकारी बहिस्सह पर पटवारी का हक़ फ़ी मन अधसेर और फ़ी रुपये अधन्नी लूंगा और जिया रह उज़्र न मांगूंगा लिखतम असाढ़ बदी संवत् ।।। २०

सही अकबरखां जमींदार मालगुजार की

गवाही बिहारी पटवारी की

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

चारपाये	चिड़ियाँ	जलजंतु	कीड़े मकोड़े	इन्द्री आदि	मन आदि	गुण दोष	राज०
हाथी	मुरग	घड़ियाल	बिच्छू	सूज	मन	अदब	बादशाह
ऊंट	कबूतर	मगर	मकड़ी	सुनावट	इच्छा	मुरव्वत	राजा
बंदर	तीतर	नाका	कातर	छूहावट	अकल	सचाई	मालिका
लङ्गूर	बटेर	गोह	कनखजू	सवाद	बुद्धि	सलूक	रानी
शेर	चिरौटा	मूंस	कानसलाई	सूंघ	ज्ञान	परहेज़	राजकुंवर
तेंदुआ	हरियल	कछुआ	केंचुवा	देखते	ध्यान	सखावत	राजकुंवारी
चीता	मुरग़ाबी	विसखपरा	चींटा	सुन्ने	तदबीर	उपकार	वज़ीर
गीदड़	बया	छिपकली	चींटी	छूते	धर्म	महरबानी	दीन
भेड़िया	बदक़	केंटुआ	दीमक	चखते	पराधीनता	उमंग	क़ाजी
रीछ	सोना	काला	जूं	सूंघते	दया	इनसाफ़	कुतवाल
लोमड़ी	बुगला	पीला	डांस	खाते	प्यार	अधर्म	चकलेदार
घोड़ा	टटीहरी	धामिन	खटमल	पीते	गर्व	बेईमानी	फ़ौजदार
खच्चर	मोर	चित्ती	मच्छर	चूसते	अटकाव	झूठ	पुरोहित
गोरखर	सारस	कौड़िआली	भुनगा	खड़े	खुशी	बदपरहेज़	दास
गधा	तोता	बिलखिरी	पिस्सू	बैठते	आनन्द	फ़ज़ूलखर्ची	क़ैदी
बैल	तूती	सल्लू	लीखें	सोतानूबैठे	फ़ाल	कंजूसी	अमीर
भैंसा	मैना	कुचलेर	आककुड़ा	लेटते	आशा	जूआ	रईस
नीलगाव	चंडोल	सींगी	पतंगा	चलते	भरोसा	चोरी	अशराफ़
कुत्ता	लाल	सौर	भौंरा	दौड़ते	डर	बहादुरी	पुरवासी
बिल्ली	श्यामा	बाल	भौंरी	पैरते	सन्देह	नामर्दी	ग्रामीण
हिरन	चील	गेंड	बर	उड़ते	काल	फ़रेब	लोग
डम्हरा	कव्वा	रोहू	मक्खी	बोलते	डाह	फसाद	कुल
भेड़	उल्लू	भुड़ा	झींगुर	जम्हाहते	अदावत	बैर	कुटुम्ब
बकरी	बाज	भूर	लाहेरी	रोते	बदला	क्रोध	क़ौम
पाड़ा	शिकरा	झींगा	अबाबीला	हँसते	शोक	लालच	देश

फ़ारिग़ख़ती ॥

हरलाल चौधरी ने चाली तेला को फ़ारिग़ख़ती लिखदी कि हमारा तुम्हारा लेन देन बरसों से चला आता है सो आज की मिती तक जो रुक्के या बही खाते में जो तुम पर लेना था कौड़ी भर पाया तुमसे कुछ दावा नहीं और आज की मिती से पहले का कोई रुक्का वा बही खाते में तुम्हारे नाम निकले वह सब रद्द हैं ॥ मिती माहवदी ३ सम्वत् १९०९ लिखी आसाराम पटवारी ने दस्तख़त हरलाल के ॥ ४ ॥

दस्तख़त गवाह बलदेव सिंह ठाकुर रहने वाला मौज़अ श्रीनगर के ॥ ४ ॥

दस्तख़त गवाह रामरूप लंबरदार रहने वाला मौज़अ श्रीनगर के ॥ ४ ॥

6595.

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

जिन्स	पकान	मिठाई	बालक्रीड़ा	खेल	बाजे	आतशबाजी	रंग
गेहूंकाआटा	रोटी	बताशा	आंखमिचौनी	शतरिंजरूम	शिनाय	पटाखा	सुफेद
जौकाआटा	बाकरखैनी	बताशफेनी	दालमटोला	शतरिंजफूरंग	सरविङ्ग	लौकी	काला
बाजरेकाआटा	परांठे	इलायचीदाना	बच्चेबकरी	चौसर	डफ	सिंघाड़ा	सुरमई
जुआरकाआटा	बड़े	लड्डू	चीलकपट्टा	चौपड़	मिरदंग	छछूंदर	लाल
मैदा	दहीबड़े	जलेबी	अथवादशा	चौपड़पौंसे	फांक	महताब	सब्ज़
उर्दकीदाल	सेवईं	पेड़ा	गिलीडंडा	गंजफा	तुरई	आहनीनला	साबी
मूंगकीदाल	पूरी	इमरती	फुरबाड़ा	ताश	तम्बूरा	दमकला	ऊसमी
चनेकीदाल	कचौरी	खुरमा	एकतारा	पचीसी	ढोल	हथनला	गेरुआ
खासकीदाल	गुलगुला	बरफी	गोलियां	चौगान	नफीरी	फूलफरी	गुलाबी
मसूरकीदाल	पापड़	खाजा	अक्काबाने	पासी	मजीरा	पहकन्दा	कैसनी
चांवल	खजूरें	अदरसा	कबड्डी	मुगलपठान	ढोलक	तारामंडल	पीला
हथ	हलवा	सेव	फन्नी	छक्का	बांसली	बान	नारंगी
दधि	समोसा	मिसरी	टोकरीमार	बगलमोर	संख	आसमानीबान	बसंती
मठा	चीले	ओले	बुकाबुकी	[illegible]	नरसिंघा	सूरजचक्कर	सोनहला
मक्खन	दाल	सावनी	छूटी	मुगदर	ताली	अनार	मुलतानी
घी	कढ़ी	गट्टा	लट्टू	लेजम	खंजरी	जहर	बादामी
तेल	करेले	रेवड़ी	चकई	बैठक	एकतारा	मोर	नीला
गल्ला	खिचड़ी	गुलाबकुल्ली	काजीमुल्ला	डंड	दायरा	टोंटा	फाखताई
राब	भात	खुरचन	चोर जलामीरी	कामेन	नक्कारा	जंगीटोटा	कासी
गुड़	खीर	कपूरकन्द	राबरी	तशमाबाज	तबला	गोलाखोर	कोकई
चीनी	सिरनी	सोहनहलुवा	कानचिट्टी	ध्यानचौरस	भोंपा	किलातिलंगा	आसमानी
मिस्री	पुलाव	गुरपानी	फिसलदौड़	नाकजुम	बीन	शेरबच्चा	हरा
निमक	कबाब	तिलवा	पलट्टूउठौनी	नखीमूठ	चिकारा	रवाई	मूंगिया
सामर	कलिया	पट्टी	चिरका	चितपट	थाली	हल्लुक	तोतई
गर्ममसाला	कोरमा	बालूसाई	गधागधी	सुरई	घुंघरू	चंचकर	अमोआ

तमस्सुक

लिखनेलिखदीनीमोज़अ श्रीनरके लंबर
दारमहारूपने साह देवीदास केबेटे मोहन
को कि मैंने अपनेलड़केके ब्याहके लियेरुप
ये ८० अकेनसो नीमें पचास केहूने तुमसे
हथ उधारे लिये उसकाब्याज महीनेकेम
हीनेरुपये १ सैंकड़ेहिसाब से देता रहूंगा
औरबरसदिनमें तुम्हारी कौड़ी २ चुकाद्दूं
गा मिती माघवदी १२ संवत् १९०४ ॥
लिखीजैराम पटवारी ने दस्तखत महारू
पके ऊपर लिखा सोसही गवाही रामध
नजाटकी गवाही गुलवा अहीरकी ॥३॥

रसीद ॥

रसीदलिखदीनी साहदेवीदासके बेटेमो
हनने कि मैंने श्रीनगरके लंबरदार महा
रूपको रुपये १०० अकेनसो दिये ये सो
ब्याज समेतकौड़ी कौड़ी भरपाये मिती
चैत्र वदी १३ संवत् १९०५ लिखी जैराम
पटवारीने दस्तखत मोहनके ऊपर लि
खा सोसही ।गवाही रामधन जाट
की गवाही रामा बनियेकी ॥३॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

किसम कपड़े	पुरुषवस्त्र	स्त्रीवस्त्र	गहना	हथियार		नातेदारी	
पुस्ता	टोपी	ताज	बेंदिया	तोप	परदादा	मुसेरीबहन	सास
बनात	पगड़ी	घूंघट	कर्णफूल	जंबूरा	परदादी	खाला	साला
पट्टू	अमामा	मुबाफ	पात	बन्दूक	दादा	खालू	सरहज
कमख्वाब	गुलूबंद	कुरती	हलका	करावीन	दादी	खलेराभाई	भतीजा
मखमल	नीमआस्तीन	चोली	नथ	तमंचा	बाप	खलेरीबहन	भतीजी
सेला	मिरजई	अंगिया	बुलाक	तलवार	ताया	भाई	साली
मलीदा	कुरता	बागा	झुमका	सैफ	ताई	भावज	साढ़ू
आबरवाँ	दगला	पेशवाज	तिलरी	पेशकब्ज	तायेराभाई	भतीजा	भांजा
दुलाई	चपकन	झूला	ताबीज	कटार	तायेरीबहन	बहन	भांजी
गुलबदन	आबा	शलूका	बाजूबंद	बिछुवः	चचा	बहनोई	खसम
कलन्दर	अंगरखा	घाघरई	कड़ा	लैलबूडी	चची	भानजा	ससुर
कसारी	जामा	लाछ	कंगन	छुरी	चचेराभाई	भानजी	सास
नवाबी	नीमा	लहँगा	पहुँची	बेछी	चचेरीबहन	बेटा	नेह
लेकलाट	कमरबंद	घाघरा	चूरी	सांग	फूफी	बहू	जिठानी
खासा	दुशाल	सारी	अंगूठी	संगीन	फूफा	पोता	जिठौत
नैनू	चद्दर	फरिया	आरसी	तबल	फूफेराभाई	पोती	जिठोतिन
केमब्रक	लंगोटी	ओढ़नी	छल्ले	कमान	फूफेरीबहन	परपोता	देवर
मलमल	धोता	दामनी	पायजेब	कमठा	परनाना	परपोती	देवरानी
पगड़ी	रूमाल	चुनरी	गूजरी	तीर	परनानी	बेटी	देवरौता
टोस	अंगोछा	इंडीया	छैलचूर	ढाल	नानी	दामाद	देवरौतिन
सहसंदी	दलाना	कफ़रफ़ल	अनवट	सिपर	नाना	नवासा	नन्द
दोला	पाईजामा	चद्दर	बिछुवे	सिंगोटी	माँ	नवासी	नन्दोई
गाढ़ा	जाँघिया	बुरका	लच्छा	चिलत	माँकु	जोरू	मौसा
अधोतर	पाईताबा	जूती	छुटकिया	फरसा	मुमानी	ससुर	मौसी
गजी	जूती	बेतला	हल्ली	लाठी	मुमेराभाई	भतीजी	मौसेरा भाई

रहन नामा

हालत तनदुरुस्ती और सलामती में इकरार करता हूं कि मैं भोलानाथ बेटा हरप्रसाद कायस्थ निवासी फ़र्रुखाबाद का (४) बीघे धरती पक्की जो उसी शहर फर्रुखाबाद में हैं और मेरे मिलक और कब्जे में है और एक बरस का मुनाफा (४) रुपये हैं सो उस धरती को चारों हदों समेत (५०) रुपये के बदले पास सीताराम बेटा मयाराम जाति बनियाँ जो वहीं रहता है एक बरस को गिरवी रख दी और रुपया सब भर पाया॥ इकरार यह है कि एक बरस तक जो चीज उस धरती में पैदा होती है उस सब का मालिक सीताराम है सो सीताराम ने भी यह बात कबूल करके उस पर अपने दस्तखत कर दिये अब सीताराम को चाहिये कि जब तक अपने रुपये न पावे तब तक सब धरती को उन चीजों समेत जो धरती में पैदा होवे अपने कब्जे में रक्खे मुझ को उजुर दावा नहीं है और मुद्दत बरस रोज में न दे तो वह सब धरती सीताराम की है मुझ को उजुर दावा नहीं है इस वास्ते यह सब बातें रहन नामे की ऐ निपर लिख दीं कि बखत ज़रूरत सनद होवे तारीख २५ दिसेंबर सन् १८५५ ॥ दस्तखत भोलानाथ के ॥ दस्तखत सीताराम के ॥ दस्तखत गवाह बलदेव मुहल्ले वाले के ॥ दस्तखत गवाह सदासुख पंसारी के ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

गांवकेहकूक़दार		किस्मजमीन	पटवारीके कागजात	
जागीरदार	पड़ाउ	हूंड	खेवटबंदीकी फहरिस्तकीनक़्शे तेरीज	
तअल्लुकदार	डोंगर	मासन	१व खसरहपेमाइशकीनकल	वही रोजनामचह
माफीदार	नरई	दुमट	नकशाकिस्तवार	वासलेकानक़ना
लंबरदार	खादर	मेवटा	खतोनी आसामीवार	आसामीवारखाते
मालगुजार	कछौहा	पंडुआ	नकशाहमिलानखसरह	जमअखर्चकानक़
जमीनदार	हारधाना	कावर	बंदोबस्तकेसमयकीतेरीज	टीपका खसरा
मुस्ताजिर	कछार	भूड	खेटबंदोबस्तकी नकल	पटीकी खतौनी
ठेकेदार	चलनू	बालू	मालगुजारीकेइकरारनामे	टीपका गोशवारा
इजारहदार	बोवर	बलुआ	मुआफीकीफरदकीनकल	अर्जीरसाल
चौदरी	जोनाल	गोयरा	गांवकीचरागिननीकीफर्द	खानगुमारीकागो
सकद्दम	बंजर	बांडा	चौकीदारीकीवाछकीफर्द	नकलवडीऊद्दलि
परधान	चंचर	मंका	नकशहकबूलियतका	नकलवहीपट्टा
शरीक	ऊखर	वरहा	नकशाह पट्टेका	किशतबंदी
शिकमी	पोमल	खुए	कनकूतकाखसरह	सरखत
हिस्सहदार	ढेलु	सवाना	जबतीकाखसरह	रीपकरजकी
पट्टीदार	कलौहीं	आहल	बटाईका खसरह	चिट्ठी
कामतहसील	डोकरा	डांडी	जिनसवारकाखसरह	तमस्सुक
काश्तकार	मटियार	दांत	जिनसवारपरतीकीखतौनी	जमाबंदी
चौकडायत	डहिर	ककरीली	चाहीओरबारानीकाखसरह	मिलानखसरह
किसान	पापर	ऊसर	कनकूतकीखतौनी	तेरीजआसामीवार
जोता	कापर	कल्लर	जिन्सवार खतौनी	जमअवासिलबाकी
खेवा	चिकनौट	बुदेर	जबतीकी खतौनी	तहसीलकीवासिलबाकी
आसामी	धनखर	आबी	चाहीओरबारानीकीखतौनी	जमाखर्च
पटवारी	पानी	भरिया	जावंतीकीजमाबंदीबुकाताबमेरह	नामोंकीतबदीलीका
वगेरा	वार	बागेनी	कनकूतकीजमाबंदी	कशाह

फ़ैल ज़ामिनी ॥

मैंकि हरसुख लम्बरदार मौज़आ औरंगाबाद परगनह हजूर तहसील जिलअ मथराका ज़ामिनी वास्ते परमानंद ब्राह्मणके एक बरसके लिये करता हूं अगरयह शख्स अन्दरमियाद मुकर्रहजिम्मे है फक्त तारीख ८ दिसम्बर सन १८ ५२ ॥ ॥ दस्तखत हरसुख लंबरदारके ॥

दस्तखत गवाह जोधराज पटवारीके ॥ x ॥

दस्तखत गवाह रूपसिंह तोलाके ॥ x ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

नकशाह नाम जिले और परगने मगरबीका

जिलपानीपत	जिलसहारनपुर	लोनी	हातरस	बिसौली	मीरांपुरकटरा	बेवर
पानीपत	सहारनपुर	हापुर	मुरसान	सतासी	बड़गाव	कुसमरवसारैस
सुनपत	बेहट	अजराड़ा	खैर	इसलामनगर	पूरनपुरसबना	अलीपुरपट्टी
करनाल	फ़ैजाबाद	गढमुक्तेसर	चंदौसी	असदपुर	पुवायां	मैनपुरी
जि· हरियाना	मुजफराबाद	सरावा	सोमना	रजपुरा	खुटार	सौंज
अगरोहा	देवरा	पूठ	सिकंदराबाद	बसराम	जि·अमथरा	कुरावली
बेहल	रामपुर	कीठोर	मारहरा	फैजपुर	अडींग	करहल
बरवाला	कादरा	गोरा	डसेन	नियपुर	सहार	घिरौर
फतहाबाद	मंगलोर	सिरधना	टप्पल	उलाई	कोसी	मुस्तफाबाद
हांसी	ज्वालापुर	हसनपुर	जि·बिजनौर	सोरों	नोहझील	शिकोहाबाद
हिसार	जोरासी	नारपुर	बिजनौर	जि· बरेली	हजूरतहसील	पहाड़पुरा
रतिया	रुड़की	बरौद	दारानगर	गड़रपुर	सांट	सौहार·सकोट
सिवानी	नुकड़	कुताना	मंडावरसलहदौर	रुद्रपुर	महाबन	सहावर·करसना
टुहाना	सरसावा	छपरौली	शेरकोट	किलपुर	सादाबाद	जि· इटावा
तुशाम	सुलतानपुर	जि·बुलंदशहर	सिहारा	नानकमट्टी	जलेसर	इटावा
जि·दिहली	गंगोह	दादरी	नहटौर	चावला	जि·आगरा	लखनाअवल
परगनहशमाल	जि·मुजफरनगर	दनकौर	चांदपुर	रिछा	हजूरतहसील	लखनादोयम
परगनहजनूब	मुजफ्फरनगर	सिकन्दराबाद	बासटा	जहाना	खेरौली	दहलीजाखन
जि·रोतक	बघरा	खुरजा	नूरपुर	बिलहरा	फीरोजाबाद	औरैया
रोहतक	शिकारपुरसों	जेवर	नगीना	पीलीभीत	इरादतनगर	फफूंद
बेरी	बुढ़ाना	पहासू	बढापुर	आजावल	बाहपिनाहट	बेला
गुहाना	कान्धला	शिकारपुर	अफजलगढ	सिरसावा	सरहेंदी	जिलअकानपुर
खरखोदा	किराना	अनूपशहर	नजीमाबाद	काबर	फतहाबाद	बिठूर
मांडौठी	शामलीबनत	डीबाई	कीरतपुर	शाही	फतहपुरसीकरी	जाजमऊ
महम	थानाभवन	स्याना	अकबसवाद	सरौलीशमाली	फरहअछनेरा	अकबरपुरशहपुर
भवानी	बिदौली	आहार	जिल·मुरादाबाद	सरौलीजनूबी	जि·फरुखाबाद	बिलहौरदेवहा
जि·गुड़गांव	झिंझाना	बरन	मुरादाबाद	आंवला	आजिमनगर	भोगिनीपुर
कादमा	चरथावल	अगोता	संभल	सनेहा	पटियाली	देरामंगलपुर
सेना सोहना	खतौली	दपेखपुरा	बिलारी	बल्लीआ	बरना	चाटमपुर
नाबरू	भूमासंबलहेड़ा	जिलअलीगढ़	हसनपुर	कोर	शमसाबाद	रसूलाबाद
पाली	जौलीजानसठ	अकराबाद	अमरोहा	नवाबगंज	कमपिल	साढसलेनपुर
रेवाड़ी	पुर	जलाली	ठाकुरद्वारा	बीसलपुर·फरीदपुर	छिबरामऊ	शिवराजपुर
भोड़ावहोड़ा	गोरधनपुर	अतरौली	काशीपुर	मरौरी	तालगोव	पिओली
शाहजहांपुर	भोकरहेड़ी	पचलाना	जिलअबदाऊं	जि·शाहजहांपुर	इसलामनगर	सिकंदरा
पलवल	जिलअमेरठ	गंगीरी	बदाऊं	शाहजहांपुर	परमनगर	जि·फतहपुर
नूह	मेरठ	कोल	उजयानी	नराबाद	खोरवटमऊ	फतहपुर
हथीन	बागपत	मुरथल	सलेमपुर	तिलहर	कंनोज	हसवा
पुनाहाना	बरनावा	बरौली	उसहत	निगोही	सहसराती	गाजीपुर
होडल	डासना	दसनगढ	सहसवान	खेड़ाबहेड़ा	जिलअमैनपुरी	आयाशाह
फीरोजपुर	जलालाबाद	गोरी	कोट	जलालपुर	किशनीनबीगंज	मुत्तौर

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

वा क्र औ

नाम जिले और मशहूर नगर मुल्क बंगाल					रजवाड़ा	हिन्दुस्तान की नदी
किसमत कलकत्ते	सांतीपुर	नरायनगंज	बेरमपुर	पटना	मावलपुर	गंगा
जिसमें २ जिले हैं	ऊला	सुनारगांव	जिल अराजासई	छपरा	बूंदी	रामगंगा
जि· हुगली ले शहर	कुमारहट्टा	जिल ढाकाजलाल	जिसमें यह मशहूर	दौदनगर	कोटा	भागीरथी
जिसमें मे	शिवनिवास	जिसके मशहूर न	नाटोर (२ नगर हैं	गया	फालएका	सरयू
कलकत्ता	कृसोगर	फरीदपुर गर यह हैं	बुलीया	आरा	यवलपुर	गोमती
और पांच थाने	सुखसागर	जिल अ मेमनसिंह	हरिपाल	चिया	भरतपुर	सरस्वती
चितपुर	रानीघाट	जिसमें यह मशहूर नगर है	शिवगंज	मुजफरपुर	वियाना	शोण
मानकतोला	छागदा	नसीराबाद	कुमरकाली	सूबा अवध	बल्लमगढ़	राप्ती
सन्तन	नदीया	बेंगोबारी	जिल· बीरभूमि	जिसमें यह मशहूर नगर है	कामा	गंडक
नहजारी	जि· बरदवान	सिराजपुर	जिसमें यह मशहूर नगर है	लखनौ	डीग	बागमती
सलकिया	जिसमें यह मशहूर नगर	नौकानगर	सूरी	फैजाबाद अयोध्या	नागौर	कूसी
जिल अ २४ परगने	बरदवान	गोगमारी	नागौर	ऐदबाद	मेरता	आत्री
जिसमें यह मशहूर नगर है	काचीनगर	जिल अ· सिलहट	सरूल	फिरेंच	पाली	कुगली
अलीपुर	कठवा	जिसका सदर··	बैजनाथ	टांडा	जोधपुर	दमोदा
भोएनगर	अंबिका	सिलहट शहर	जिल अ भागल	रायबरेली	पुष्कर	जमुना
नवाबगंज	मानकूर	जिल अ बाकरगंज	जिसमें यह मश	मानकपुर	बीकानेर	चम्बल
बिसापुर	मंगलकोट	जिसमें यह मशहूर नगर है	भागलपुर (हूर है)	रजवाड़ा	जैसिलमेर	बेटवा
कोलगाबी	कलना	बाकरगंज	मुंगेर	जयपुर	हैदराबाद	केन
जिल अ जिसोर	जि· जंगमहल	बरिसाल	राजमहल	माधोपुर	अहमदाबाद	सिंध
जिसमें यह मश·न	जिसका सदर नगर	एमावासपुर	चंपानगर	उनियारा	बड़नगर	इन्डस
मुरली वा जिसोर	बंकुरा	जिल अ टिपरा	जिल अ पूरनिया	टूंरी	विसनगर	सिंध
खूलना	जि· मिदनीपुर	कारेशनाबाद	जिसमें यह मशहूर नगर है	झलाय डिमी	सिद्धपुर	सतलज
महमूदपुर	जिसमें यह मशहूर नगर है	जिसमें यह मशहूर नगर है	पूरनिया		जूनागढ़	चिनाव
नोलडागा	मिदनीपुर	कोमला	नाथपुर	चामो	उज्जैन	रावी
मिरजानगर	जिलाशोर	नूमगर	कसबा	चाटसू	इन्दौर	जेलम
गोपालगंज	पिपली	लकेपुर	रामदहा	बगरू	ग्वालियर	आम
कुलनीयो	नागरगाढ	चन्दपुर	मनोली	फतहपुर रामगढ़	रामपुर	अटक
जिल अ हुगली	तमलुक	जिल अ चटगांव	जिल अ दिनाजपुर	चोरूएमन	दतिया	बरलउन
जिसमें यह मशहूर नगर है	केजरी	जिसमें यह मश·न	जिसमें यह मशहूर नगर	थोक्सा	झांसी	सरभा
हुगली	जिल अ कटक	इसलामाबाद	दिनाजपुर	माधोराजपुर	चरखारी	महानदी
चन्दननगर	जिसमें यह मशहूर नगर	नावटगांव	मालदा	टेंडोन	चीतोड	त्रिलिंगी
श्रीरामपुर	बलासोर	काम	राजगंज	कुशालगढ़	भूपाल	मानगंगा
बिसरा	बक्रोक	सीताकुंड	भवानीपुर	टोडर	नासिक	नर्बदा
बाटिल	करक	किसमत मुरशिदाबाद	जिल अ रंगपुर	सांगानेर	कच्छभुज	तापती
नदकोना	जगन्नाथ	जिसमें ·जिले हैं	जिसमें यह मशहूर नगर	सीकर		गोदावरी
उलूबारिया	किसमत ढाका	जिल अ मुरशिदा	रंगपुर	मकुआरगढ़		कावेरी
नरियाय	जिसमें ·जिले हैं	जिसमें यह मशहूर नगर	मगवाहाट	मलवई		कृष्णा
जिल अ नदिया	जिल अ ढाका	मुरशिदाबाद	ग्वालपाड़ा	निजामत		
जिसमें यह मशहूर नगर हैं	जिसमें यह मशहूर नगर	भोगोबानगोला	सूबा बिहार	टोंक		
नोबोदीप	ढाका	जंगीपुर	जिसमें यह मशहूर नगर है	करौली		

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

धर्म	ब्राह्मण	क्षत्री	वैश्य	शूद्र		हिंदू तेवहार	मुसलमान
वैस्नव	कान्यकुब्ज	रघुबंसी	अगरवाला	कायस्थ	गोसांई	चैत्रसुदिपड़वा	शेख
शैव	सारस्वत	सूर्यबंसी	रस्तोगी	सुनार	जोगी	मन्वन्तरा	सैयद
शाक्त	गौड़	सरनेत	गुजराती	बेट	दर्जी	शयनैकादशी	मुगल
सूर्योपस्थ	मैथुल	राजकुंवार	महेश्वरी	जाट	कुम्हार	आषाढ़ीपूर्णिमा	पठान
गणपतिथा	उत्कल	चौहान	रस्तूकी	हलवाई	कंडेरा	राखीपूर्णिमा	काजी
शिख	द्राविड़	कछवाहा	कसरवानी	तम्बोली	कोली	माईहलसात्ती	सुन्नी [illegible]
जैन	तैलङ्ग	राठौर	अगरहरी	पटवा	धोबी	जन्माष्टमी	सूफ़ती
बौद्ध	करनाटिक	सेकरवार	परीर	कांथ	धुनियां	नष्टचंद्र	मौलवी
ब्राह्मजालिस	महाराष्ट्र	बाछकुंज	कसोंध	बढ़ई	डोम	अनंतचतुर्दशी	मुल्ला
प्राणनाथिस	गुजराती	गौरहर	ओमार	लोहार	ढाढ़ी	अपरपक्ष	इमाम
षट्दर्शन	सनाढ्य	मौनिस	कौरेर	किसान	जगा	नवरात्रि	सुन्नी
न्याय	सरवरिया	बैस	अवधिया	काछी	जाजक	विजयदशमी	मुअज्जिन
वैशेषिक	शाकद्वीपी	बिसेन	कटरेहलवा	कुपरी	भाट	कोजागरपूर्णिमा	मुहर्रम
मीमांसा	गयावाल	बांसलगोती	बारहसेनी	कसेरा	नलवा	दिवाली	आखरीबुध
वेदान्त	माथुर	चंदेले	अयोध्यावासी	कुर्मी	नान्ही	उत्थानएकादशी	चिहलुम
सांख्य	भुंहार	सोमबंसी	चौसेनी	नाई	साध	कार्तिकीपूर्णिमा	बारहवफ़ात
पातंजलि	जिझौटिया	भदौरिया	माथुर	बारी	बहेलिया	संकटचौथ	ग्यारवी
साध	मारवाड़ी	परिहार	परवार	माली	अहेलिया	बसंतपंचमी	मदारकीछड़ियां
सतनामी	मीरतवाल	सोलंखी	बुन्देल	अहीर	पमड़िया	शिवरात्री	[illegible]कीछड़ियां
शिवनारायणी	कश्मीरी	पमार	लमेचू	ग्वाल	कथिक	होली	शबरात
शून्यवादी	पुष्करणा	गौड़	पद्मावती	गडरिया	पांसी	ग्रहण	तबारक
मुसलमान	बंगाली	सीसोदिया	गोलानारे	धीमर	चमार	सोमवतीअमावस	रोजे
फेटिश	मोड़	जादौं	खरओआ	तेलीय	धनुक	सतवासंक्रान्त	ईद
यहूदी	दायमा	बघेले	सरावगी	सोंथी	खटीक	कर्कसंक्रान्त	बकरईद
क्रिस्तान	मेवाड़ा	कटेहरिया	महाजन	बेन	भङ्गी	मकरसंक्रान्त	नौरोजे

गिरवी नामह

यह गिरवी नामह आगरे के रहने वाले शोभाराम ब्राह्मण के बेटे घासीराम ने संदरलाल महाजन शहर मज़कूर को लिखदिया कि मैंने तुमसे लड़के के ब्याह में रुपये १२५) अंकेन सवासौ लिये उसके पटे गोफ़ १ नग समेत सोने की तोले १०) भर उसकी सब जो सौ रुपये १२० की है ब्याज दर ॥=) सैंकड़े से ठहरा जब तुम्हारे रुपये ब्याज मूल कौड़ी कौड़ी कौड़ी चुकादूं तब अपनी रकम पाऊं होर जिस मिती में जो रुपया तुम्हें दूं उस मिती से बाकी रुपयों का ब्याज दूं इसमें किसी तरह की उज़्र न करूं जो राजपंच में कूंडापडूं मिती पोष वदी ८ संवत १९०२ ॥

दस्तख़त घासीराम के मुझे ऊपर का लिखा मंज़ूर है
दस्तख़त गवाह हरपरसाद बजाज के
दस्तख़त गवाह रामदयाल देटेरे के

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

पेशेवाले		पेशेवालों के औज़ार		काश्तकारों के औज़ार		अहली के सामान	
हकीम	बढ़ई	निहाई	कैंची	हल	धुर	देग	हंसिया
जर्राह	कोली	धोंकनी	सुई	हलस	बनै	तौलिया	चाकू
सालोतरी	रङ्गरेज	आराआरी	अंगूठी	कूड़	फिकरी	बटुवः	कुलहाड़ी
मुत्सद्दी	छीपी	कलहारी	गज़	आग	रहट	देगची	कराही
वकील	कमगर	बसूला	जन्ती	मुठिया	चरखी	बटलोही	कठौती
मुखतियार	किसान	रन्दा	फुकनी	परहारी	पटेला	चमचा	पट्टा
पटवारी	काछी	निहानी	कतरनी	फाला	लुढ़कना	डोई	बेलन
पुरोहित	नाई	रुखानी	कलम	खुंडवा	दांस	थाली	मूसल
दफतरी	माली	बरमाबरमी	रोशनाई	पंचबासा	खुरी	परात	सूप
कागजी	भुरजी	घन	दावात	मुगरी	पचरी	रिकाबी	चलनी
गन्धी	धोबी	हथौड़ा	चाकू	जूआ	अड़उन	कटोरी	चारपाई
सर्राफ़	साईस	रेत रेती	सेल	जोत	गड़ासी	बेला	काठ
बज़ाज़	मुनरबान	सड़ंसा	मिसतर	सेल ल	कोल्हू	तास	नारियल
दरज़ी	फीलबान	पेचकश	कतरन	गाता	लाट	लोटा	डोर
हलवाई	गाड़ीबान	परकार	कागजगीर	नाड़ी	पाट	गडुवा	दीवट
अत्तार	ग्वाला	खराद	तार	पैना	कंदौगर	कलशा	चक्की
पनसारी	गड़रिया	गुलियाँ	कूंच	कसी	मसखम	पानदान	ऊखली
बनियाँ	मल्लाह	छुरिया	बेमरना	फावड़ा	फाला	कोलहैया	सिलबट्टा
बिसायती	बकरकसा	कन्नी	रांपी	कुदाल	बिलैया	सरौता	कूड़ा
कसेरा	मोची	बसूली	सुतारी	कुल्हाड़ी	हतेली	कली	कूंडी
जौहरी	भटियारा	निहन्नी	कालबूत	खुरपा	ढेला	गुड़गुड़ी	हांडी
सुनार	तेली	सहाबल	उस्तरा	हंसिया	पासी	गिलास	बड़ा
लोहार	चमार	चलनी	निहाला	फावड़ी	खुरफा	शमादान	मटका
सङ्गतराश	धानुक	तराजू	सिल्ली	लैंडी	मुंहसेका	[illegible] तवा	नाद
राज	भङ्गी	बाँट	[illegible]	तरमाची	नाथ	कठौली	करुवा

सपुर्द नामह

मैं रोशनलाल का बेटा भजनलाल जात खत्री रहनेवाला चित्तीखाने शहर आगरे कायमान से इकरार करता हूं कि सेवाराम ब्राह्मण के बेटे सेवासमरत रहनेवाला शहर आगरा महल्लह रकाब गंज ने दो जोड़ह पायजेब और एक फर्द सोने के कड़े की सबजमा २००) रुपये की मेरे सपुर्द की है इस इकरार पर कि जब वुह सेवा राम अपनी रकम मांगे तब बिना तकरार के दे दूंगा और उसकी खबरदारी बखूबी रक्खूंगा और जो किसी तरह का नुकसान उसमें होजाय तो उसकी जोखों से भरदूं इस वास्ते यह सब बातें सपुर्दनामे की संदोप लिख दीं कि वे काम में आवे॥ तारीख २५ दिसम्बर सन १८५२ ईसवी॥

दसखत भजन लाल के

दसखत गवाह शोवकस पंसारी के

दसखत गवाह भजन बनिये के॥

अंग		बीमारी		दवाई		सूरतदवाई	बीमारी के नाम वगैरह
सिर	अंगुली	सितंग	आमसूल	मुलहटी	मूसली	पुड़िया	पामस
खोपड़ी	छनअंगुली	फालिज	आमातिसार	नमालगोटा	सफेदमूसली	गोली	बोगमा
भेजा	पोरु	अर्द्धंग	हैजा	जाविती	शादाना	मरहम	चांदनी
मोंह	नाखून	लकवा	तापतिल्ली	जायफल	सोंठ	लेही	बरसाती
पलक	टांग	जवड़ाबंद	जलन्दर	कालीमिर्च	सोंफ	बुकनी	करना
आंख	पांव	मिरगी	बवासीर	गोंद	सोहागा	अंजन	वड़
नाक	पिंडुली	पागलपन	पथरी	गुलकंद	मिस्का	पोटली	फांस
ओंट	पीठ	पीनस	नोतिपाड़ि	गुलखपरी	सना	पिचकारी	रुसा
कान	रीढ़	आधासीसी	धुन्ध	गन्धक	जड़कासी	जुशांदा	किड़ुआ
कनपटी	गुहथा	लूह	आंखआनी	राल	सज्जी	खिसांदा	कुकुरी
गल	कमर	सीतला	फुल्ली	रेवंदचीनी	शहद	शरबत	खादी
दांत	पेट	तप	रतौंधा	रेमीमस्तगी	शराब	अरक	बगली
तालू	टूंडी	तपेदिक	चिक	कैनेन	ईसबगोल	माजून	खाज
जीभ	पेडू	जुरी	बाई	नीलाथोथा	इलायची	लेप	नहरुआ
ठोड़ी	हलक	तिजारी	गठियाबाय	फिटकरी	जड़आक	पट्टी	पका सूंका
गला	आंत	यकतराज्वर	पीरदान	पीपल	आंवला	पनकपड़ा	तरक
गर्दन	कलेजा	जुकाम	नकसीर	चिरायता	पलुवा	खपरी	बिलैया
गलचुरिया	तिल्ली	सरदी	पीनस	कुचला	अफीम	गुलाब	कन्याआम
बाजू	गुरदा	दराड	फोड़ा	कएर	अमलतास	ईदीगुलाब	सूजा
कन्धा	फुकना	खांसी	अदीठ	कावावचीनी	सिंग	कैकरनेकी दवाई	बिस
कोहनी	छाती	दमा	कंठमाला	कासनी	हड़	नास	ओदार
कलाई	पसली	पीरगलह	खाज	कतीरा	दालचीनी	खलखला	नखास
हाथ	दिल	कब्ज़ियत	खाजन	सुर्वामिरी	जीरासफेद	सीशी	जोकपाना
हथेली	रग	वायसूल	कोढ़	सफेदनिमक	जीरासाह	नतार	बिसी
अंगूठा	फेफड़ा	संग्रहणी	वाव	कालानिमक	अरीठा	पसीजात	पेटफूना

हाजिर जामनी ॥ ५ ॥

जोवीच मुकदमह मारपीट जमनादास तमोली मुद्दई के साहिब मजिस्ट्रेट बहादुर ज़िलअ मथरा मे हाज़िर जामनी तअदाद ५०) रुपियह उमेदी अहीर मुद्दआअलह से तलब की है इसवास्ते मैं मनीराम पटवारी मोज़अ सलेमपुर परगनह हज़ूर तहसील ज़िलअ मथरा का अपनी खुशी से हाज़िर जामन उमेदी अहीर का होकर इकरार करता हूं और लिखे देता हूं कि मुद्दआअलह मज़कूर को हररोज़ हाजिर कचहरी कर दिया करूंगा जो वह गैरहाज़िर होजाय या रूपोश होजाय और हाजिर कचहरी न करूं तो मैं हाजिर ज़ामिन उसको हाजिर करूं नहीं तो ५०) रुपियह बाबत ज़ामनी के सरकार में दाखिल करूं इसवास्ते यह सब बातें हाजिर ज़ामनी की राह से लिखदी कि वक्त ज़रूरत के काम आवे ॥
तारीख ३ जनवरी सन् १८५२ ईसवी ॥ ५ ॥ दस्तखत मनीराम पटवारी के ॥
दस्तखत गवाह महाजूपले वरदार के ॥ ५ ॥ दस्तखत गवाह शामलाल के ॥ ५ ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

लिखने पढ़ने के सामान	महाजनी का काम	मकान	सवारी	जुर्म	अदालत के काम काज	रेखाआदि सूरत	क़ायदे की संज्ञा
दवात	हुंडी	महल	डोली	क़तलअमद	मुक़दमा	सीधीरेखा	संज्ञा
कलम	रोकड़बही	किला	चौकला	क़तलबिलइरादा	मुद्दई	समानान्तर रेखा	विशेषण
क़ाग़ज़	नक़लबही	सेहतीन	पालकी	क़तलख़ता	मुद्दाअलै	टेढ़ीरेखा	सर्वनाम
स्याही	कच्चा खाता	गढ़ी	नालकी	मज़रूही	सफ़ीना	उपविभाग	क्रिया
लालस्याही	पक्का खाता	मण्डल	पीनस	ठगई	गवाह	अंतरभाग	क्रियाविशेषण
हरताल	रोज़नामा	मसजिद	अंबारी	नक़बज़नी	इज़हार	कोण	अव्यय
बस्ता	लेखाबही	गिरजा	यक्का	डाकाज़नी	हलफ़नामा	समकोण	उपसर्ग
नोट	चिट्ठी बही	धर्मशाला	गाड़ी	रहज़नी	फ़ुलिया	अधिककोण	पुल्लिंग
पुस्तक	नोट बही	अस्पताल	रथ	ख़ानहजंगी	मुचलका	न्यूनकोण	स्त्रीलिंग
तालीम	चिट्ठी	पाठशाला	छकड़ा	नक़बज़नी	पंचायतनामा	त्रिकोण	एकवचन
कैंची	हुंडी	मदरसा	बग्घी	चोरी	ठेकनामा	समत्रिभुज	बहुवचन
क़लमतराश	पैठ	कचहरी	सेजगाड़ी	बईहदफ़रेबी	मिसल	विषमत्रिभुज	कर्ता
परकार	परपैंठ	जहलख़ाना	धुआँगाड़ी	रखनामालचोरी	अरज़ी	वर्गक्षेत्र	कर्म
पेनसिल	फ़िकरीचिट्ठी	डाँकख़ाना	नाव	चोरीसामान	परवाना	आयतचतुर्भुज	करण
जदवल	दरसनीहुंडी	मेला	पटेला	बदमआशी	फ़तवा	अवर्गक्षेत्र	संप्रदान
क़तज़न	डाकबही	बारहदरी	कोंचा	जूआ	अहलजूरी	विषमकोणसम	अपादान
मिस्सी	रुक़्क़ा	सराय	डोंगा	आतिशज़नी	अपील	समान्तरचतुर्भुज	संबंध
वेफ़र	बीजकबही	डाकबंगला	बजरा	उठाईगीरी	अपीलांट	द्विलेख	अधिकरण
रबर	बीमाबही	बंगला	जहाज़	क़लमसाज़ी	रेस्पांडेंट	व्यास	संबोधन
क़लमदान	पक्का रुक़्क़ा	कोठी	शिप	जालसाज़ी	मुख़बर	त्रिज्या	वर्तमानकाल
मिस्तर	कच्चा रुक़्क़ा	दूकान	मार्क	हलफ़दरोग़	थाना	परिधि	भूतकाल
पट्टी	आढ़तबही	अस्तबल	ब्रग	रिशवत	स्टाँप	केन्द्र	भविष्यत्काल
रोल	बटनीबही	पुल	स्कूनर	दमामपरस्ती	वारंट	अंडाकार	प्रथमपुरुष
रिहल	चिट्ठा	रोज़ा	स्माक	फ़रेब	नक़शा	पूर्णज्या	मध्यमपुरुष
वसली	बंदलेखा	क़बर	अगनबोट	ख़ुफ़ियफ़रोशी	क़ुरक़ी	चाप	उत्तमपुरुष

माल ज़ामिनी

मैं नसीर खां पट्टीदार रहनेवाला मैनपुरी का इक़रार करता हूँ इस तरह पर कि गुलाम हैदरखां बेटे अफ़ज़लखां के नेजो उसी शहर में रहता है २००) रुपये सिक्के कम्पनी एक रुपये सैंकडे पर बही के रहने वाले महाजन भजनलाल से उधार लिये इक़रार इह है कि सब रुपये साहूकार मज़कूर के हैदरखां एक साल में अदा कर देगा अगर इतने अर्से में साहूकार के रुपये हैदरखां न देसके या उन रुपयों के देने में उज़्र करे उसवक्त वे २००) रुपये भजनलाल को मैं दूं इसवास्ते ये कई एक बाते बतौर मालज़ामनी के लिखदी कि किसी वक्त काम आवे लिखी हुई ११ सेपृतंबर सन् १८५३ ईसवी॥

दस्तख़त नसीर खां के दस्तख़त गवाह रामलाल चौधरी के दस्तख़त गवाह रहीम खां के

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

अरकान सल्तनत	फौजदारीके ओहदहदारान	तहसीलके ओहदहदारान	पलटनके ओहदहदारान
गवरनर जनरल	सदर निजामत	सदरबोर्ड	कमान्डर इनचीफ
कमान्डर इनचीफ	जज	कमिश्नर	जनरल
प्रेसिडन्ट इनकौन्सिल	मजिस्ट्रेट	कलेक्टर	अजिटन्ट जनरल
डिपुटीगवरनरबेङ्गाल	जैन्टमजिस्ट्रेट	डेपुटीकलेक्टर	मेजर जनरल
लफ़टेनन्टगवरनरमगरबी	असिसटन्टमजिस्ट्रेट	असिसटन्ट कलेक्टर	असिसटन्टअजिटन्ट
गवरनर बम्बई	डेपुटी मजिस्ट्रेट	सरिश्तहदार	ब्रिगडीर जनरल
गवरनर मद्रास	सरिश्तहदार	खजानची	ब्रिगेडमेजर
सदर बोर्ड पंजाब	नाइबसरिश्तहदार	नाजिर	करनल
सेकटरी गवरमेंट	नाजिर	मुहाफिजदफ़तर	लफ़टेन्टकरनल
सुप्रीम कोर्ट	नाइब नाजिर	इजहारनवीस	मेजर
सदर निजामत अदालत	रूबकारनवीस	दारोगा स्टाम्प	कापटिन
सदर बोर्ड	मुहाफिजदफतर	परवाना नवीस	अजिटन्ट
मिलटरी बोर्ड	नाइब मुहाफ़िजदफतर	मुहर्रिर	क्वारटरमास्टर
मेडिकल बोर्ड	परवानानवीस	जमाखर्चनवीस	सरजन यानीडाक्टर
साहिबान रेसिडन्ट	नाइबपरवानानवीस	वासिलबाकीनवीस	लफ़टेनन्ट
साहिबान एजन्ट	इजहारनवीस	सियाहानवीस	एनसेन
इन्सपेक्टर जनरलसेसानेजात	मालकदार नवीस	नकलनवीस	सारजैंटमेजर
पोस्ट मास्टरजनरल	मुहर्रिर	तहसीलदार	कोरटरमास्टर सारजेंट
इंजिनियर जनरलमिद्रसेनात	कोतवाल	पेशकार	सूबहदार मेजर
सिविल आडिटर	नाइबकोतवाल	कानूनगो	सूबहदार
मिलटरीआडिटरजनरल	थानेदार	इतलाक नवीस	जमादार
कमिसरीजनरल	जमादार	दाखिलनवीस	हवलदारमेजर
जजअडवोकेटजनरल	मद्दगार	पटवारी	हवलदार
सिलिसिटर जनरल	बर्कंदाज	चपरासी	नायक
पेमास्टर	चौकीदार	मजकूरी	सिपाही

मुख्तार नामह

इकरार कियाहर परसाद महाजानने जो लोहे की मण्डीमे रहताहै इस तरह परकि चुन्नी बनियेने जो मण्डीमजकूर में रहताहै बाबत ५०) रुपयेके अदालतदीवानी में मुझपर नालिश कीहै इस लिये नाजिर अलीको मैंने अपना मुख्तार बनाया कि वह उसअदालत में मेरे मुकद्दमे में जो सवाल जवाब वलिखा पढी करे मुझे सब तरह मञ्जूर है और उसहुजूरने भीयहबात कबूल कीहै इसलिये इकरार लिखे देता हूं कि जिस वक्त मुकद्दमा पेशहोगा वाफैसला होजानेके पीछे बापत मुख्तार कारीके १०) रुपये महनतानेके दूंगा इसलिये येसब बातें मुख्तार नामहके तौरपर लिखदीकि सनदरहै ॥ लिखा हुआ ९ अ वर सन् १८५२ ईसवी

दसखत हर परसाद महाजनके ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

संख्या ॥

जैसा लिखने पढ़ने में बावन अक्षरों की मिलावट से सब शब्द होते हैं वैसे ही गणित में दस अंकों की मिलावट से सब संख्या होती हैं उन अंकों की सूरत यह है ॥ ४ ॥

एक	दो	तीन	चार	पांच	छः	सात	आठ	नौ	शून्य ॥
१	२	३	४	५	६	७	८	९	०

शून्य के माने खाली ॥ जब कोई स्थान खाली है वहां शून्य लिखी जाती है जैसा १० इस से मालूम हुआ कि इकाई की जगह खाली और एक दहाई है याने दस जो शून्य न लिखी जाती तो इहां के ऐसा जान पड़ता कि यह अंक इकाई का दहाई है ॥ गणित में उन्नीस स्थान हैं दाहिनी ओर से गिने जाते हैं एक २ स्थान के बढ़ने से संख्या दस दसगुनी बढ़ती है इसी तरह एक का अंक पहले स्थान में फकत एक समझा जाता है जो दूसरे स्थान में पड़ेगा तो दस समझा जायगा तीसरे स्थान में एक का अंक सौ समझा जाता है इसी तरह और भी जाना अंक लिखने की रीति यह है कि इकाई के नीचे इकाई और दहाई दहाई के नीचे लिखे जाते हैं और अंकों को इसी तरह जानो ॥ ५ ॥

नंबर स्थान	संख्या के हिन्दी नाम ॥		नंबर स्थान	संख्या के उदाहरण ॥
१	इकाम्	१	१	१
२	दहम्	१०	२	२१
३	सेअम्	१००	३	३२१
४	हजारम्	१०००	४	४३२१
५	दहहजारम्	१००००	५	५४३२१
६	लक्खम्	१०००००	६	६५४३२१
७	दहलक्खम्	१......	७	७६५४३२१
८	किरोड़	१०००००००	८	८७६५४३२१
९	दहकिरोड़	१००००००००	९	९८७६५४३२१
१०	अरबम्	१०००००००००	१०	१२३४५६७८९०
११	दहअरब	१००००००००००	११	११११११११११
१२	खरब	१००००००००००००	१२	१० २० ३० ४० ५०० ८
१३	दहखरब	१०००००००००००००	१३	७००६००५००४०० ३
१४	नील	१........	१४	६०००५०००४००० २९
१५	दहनील	१००००००००००००००	१५	८००००७००००६०००७
१६	पदम	१००००००००००००००००	१६	९८७६५४३२१०१२३४५६
१७	दहपदम	१........	१७	३४५०५४३००३४५००० ५५
१८	संख	१००००००००००००००००००००	१८	५७८५५४७६३००३४८९६२३
१९	दहसंख	१०००००००००००००००००००००	१९	१०३४१०३२६९७१२२३७६२२

(१) लिखो एक का अंक (२) इक्कीस (३) तीन सौ इक्कीस (४) चार हजार तीन सौ इक्कीस (५) चौवन हजार तीन सौ इक्कीस (६) छः लाख चौवन हजार तीन सौ इक्कीस (७) छिहत्तर लाख चौवन हजार तीन सौ इक्कीस (८) आठ किरोड़ छिहत्तर लाख चौवन हजार तीन सौ इक्कीस (९) अठ्ठानवे किरोड़ छिहत्तर लाख चौवन हजार तीन सौ इक्कीस (१०) एक अरब तेईस किरोड़ पैंतीस लाख सड़सठ हजार आठ सौ नव्वे (११) ग्यारह अरब ग्यारह किरोड़ ग्यारह लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह (१२) एक खरब दो अरब तीन किरोड़ चार लाख पांच हजार आठ (१३) सत्तर खरब छः अरब पचास लाख चार हजार तीन (१४) छः नील म पांच अरब चार लाख उन्नीस (१५) अस्सी नील म सात अरब साठ हजार सात (१६) नौ पद्म सतासी नील म पैंसठ खरब तेंतालीस अरब इक्कीस किरोड़ एक लाख तेईस हजार चार सौ छप्पन (१७) चौंतीस पद्म पंचास नील म चौवन खरब तीस अरब तीन किरोड़ पैंतालीस लाख चौवन (१८) नौ संख अठत्तर पद्म पचानवे नील म सैंतालीस खरब तरेसठ अरब चौंतीस लाख छियासी हजार छः सौ तेईस (१९) दस संख चौंतीस पद्म दस नील म अठतीस खरब उनहत्तर अरब इकहत्तर किरोड़ तेईस लाख सैंतीस हजार छः सौ बाईस ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

जोड़

अनेक अंकोंको जोड़कर एक अंक करलेना यही जोड़कहलाताहै ॥ जोड़नेकीयह रीतिहै जिनसंख्याओंको जोड़ना हो उन्हें ऐसी रीतिसे लिखोकिसब इकाई आदि अंकोंके नीचे ठीक रहें फिर सबसे नीचली संख्याके नीचे एक आड़ी लकीरखेंचो फिरसब अंक जो इकाईके स्थानमेंहैं नीचे से ऊपरतक जोड़ो जोड़ नेसेजो अंक हो उस की इकाई लकीरके नीचे लिखो और बाकी को हाथ लगे मान उसे दूसरेस्थानके अंकों के साथ जोड़ केजो संख्या हो उसकी इकाईका अंक दहाई के स्थानमें लिखो और बाकीकोहाथ लगे मानफिर उसे सेकड़े के साथ जोड़जहांतक अंक हो वहांतक इसी तरह जोड़नेसेपिछली पंक्ति मेंजो अंक हो उसेज्योंका त्यों लिखो क्योंकि आगेऔर अंक नहीं है किहाथ लगा मानने से कुछ प्रयोजन निकले ॥ ※ ॥

॥ उदाहरण ॥※॥

(१)	(२)	(३)	(४)	(५)	(६)
१	२२	१२०	१०२६	१२५	२०१३
२	३	१३५	१०१०	१२१२	१०२०
३	१०	२५	१२१	२०१२	२९५०
४	५	१०२	७५	११२	१०१९
१०	४०	३८२	२२३२	३४६१	८०१२

मिश्र जोड़ ॥

मिश्र जोड़ उसे कहते हैं कि जहां कई जाति की संख्या जोड़नी हो ॥ उसकीयह रीतिहै किमिलित संख्या की ऐसी रीतिसेलिखो किएक जातिकी संख्याएक सीधीपंक्तिमेंहो औरसबकेनीचे एक आड़ी लकीर खेंचो ॥ सामान्यरीतिसेसबसेहीनजाति जोड़के जोफलहो उसे अगली जाति करलो जो हासिल हो उसेहाथलगे मानजोबाकी रहे उसे अपनी जाति के स्थान पर लिखो जोहाथ लगेहैं उन्हें अगली पंक्ति मेंजोड़ोइसी रीति सेसबजातों की पंक्तिजोड़ोजो फल आवे उसे मिश्र जोड़ का जवाबजानों ॥

उदाहरण

(१) रुपये	आने	पाई
१२)	।=)	५
२)	।।=)	०
१५)	०	१०
२०)	।)	२
५५)	।=)	५

यहाँहीनजाति के जोड़नेसे १७ पाईहोतीहैं १२ काभाग देनेसे मअलूम हुआ कि एक आना और ५ पाईहैं सोपाई ५ लिखी और एक आना हाथलगा ॥ ※॥ दूसरीपंक्तिके जोड़नेमें २१ रुपए और १जोहाथलगा उस समेतरुपए २२ इनमेंसोलहकाभाग देनेसेएक रुपया छ:आनेरुपएसो ।=) लिखे ।) रुपया हाथ लगा मान् फिरतीसरीपंक्ति के जोड़नेमें रुपए ५४ और १ जोहाथलगाउसेजोड़नेसेरुपए ५५ इन्हें तीसरी पंक्तिके नीचे लिखातो तीनों पंक्तिमें ५५) रुपये ।=) आने ५ पाई यही जवाब आया ॥ ※ ॥

(२)			(३)			(४)					
बीघे	बिस्वे	बिस्वांसी	गज	गिरह	अंगुल	रुपये	आने	पैसा	पैला	छदाम	दमड़ी
१२)	।।।)२	१५	१८	११	२	१२)	᳚)	२५	२।।।	०	३
५)	।।।)	५	१५	१२	१	५	=)	।१२५	१२।।	६	३
१०)	।)४	१९	१०	१३	२	१०)	।।=)	११	१२।।	६	०
७)	।)	१५	१७	११	२	१०५)	।।=)	२१	१२।।	६	३
५७)	।)४	२४	९२	१	१	१२४	=)	२१	०	०	३

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

जमा खर्च

वह रीति जिससे दो अंकों का तफावत मालूम होता है वही जमाखर्च वा बाकी बाकी कहलाती है ॥ जमा खर्च की यह रीति है कि दोनों संख्याओं को ऐसा लिखो कि एक दूसरे के नीचे यानी बड़ी संख्या के नीचे छोटी संख्या हो और इकाई आदि का अंक इकाई आदि के नीचे हो। अगर नीचे की संख्या के अंक ऊपर की संख्या के अंक से कम हो तो जहां तक अंक नीचे की संख्या में हो वहां तक दाहनी ओर से लिखो बाकी स्थान खाली रक्खो ॥ सब के नीचे एक आड़ी लकीर खेंचो ॥ नीचे की इकाई का अंक ऊपर की इकाई के अंक में से घटाओ जो बाकी रहे उसको आड़ी लकीर के नीचे इकाई के स्थान में लिखो इसी तरह सब अंक घटाओ अगर नीचे का अंक ऊपर के अंक से न घट सके तो ऊपर के अंक में दस और मिलाओ तब उसमें से नीचे का अंक घटाओ और अगले नीचे के अंक में एक जोड़कर उसके ऊपर वाले में से घटाओ ॥ शून्य को किसी अंक में घटाने से अंक वैसा ही बना रहता है अगर किसी अंक को शून्य से घटाना हो तो शून्य में दस मिलाके घटाओ बराबर का अंक घटने से शून्य बाकी में लिखी जाती है ॥

(१) उदाहरण

```
 ९
 ९
---
 ०
```

यहां ऊपर के ९ से नीचे के ९ घटाये गये तो बाकी में शून्य रहा

(२) उदाहरण

```
 १६
 १०
---
 १६
```

यहां ६ के अंक से शून्य घटाया तो ६ बाकी रहे फिर १ के अंक से १ घटाया और १ बाकी में लिखा

```
(३)  १२५      (४)  १४०     (५)  २२२२     (६)  १९०४     (७)  ४२५८
      २४            २९           ११११           १८२२           २१९९
     ----          ----          ----           ----           ----
     १०१           १११          १०११             ८२           २०५९
```

मिश्र जमा खर्च

दोनों मिश्र संख्या ऐसी रीति से लिखो कि बड़ी संख्या ऊपर और छोटी संख्या नीचे और हर एक जाति ऊपर नीचे बराबर लिखी जायें फिर दोनों के नीचे आड़ी लकीर खेंचो ॥ नीचे की हीन जाति ऊपर की हीन जाति में से घटाओ और बाकी को अपनी जाति के स्थान में लिखो इसी तरह सब अंकों की बाकी निकालो ॥ कदाचित् किसी जाति के नीचे का अंक ऊपर के अंक में से न घटसके तो ऊपर के अंक में उसकी जाति के इतने अंक मिलाओ कि जो अपने एक अंक की बराबर हो तब नीचे के अंक को ऊपर के अंक में से घटाओ बाकी को अपनी जाति के स्थान में लिखो और १ हाथ लगा मान उसे अगली नीचे की संख्या में जोड़ो फिर उसे कही हुई रीति से ऊपर के अंक में से घटाओ जो बाकी रहे उसे लकीर के नीचे लिखो और उसे ही जवाब जानो ॥

(१) उदाहरण

रुपये	आने	पाई
१२)	।।=)	९
५)	।।।-)	७
७)	-)	२

यहां सब से हीन जाति सात पाई को ऊपर की हीन जाति ९ पाई में से घटाया तो बाकी रही २ पाई इनको लकीर के नीचे लिखो ॥ फिर दूसरी पंक्ति के आने ९ को ऊपर की पंक्ति के १० आनों में से घटाया तो बाकी रहा १ इसको लकीर के नीचे पाई के बाईं ओर लिखा और तीसरी पंक्ति के रुपये ५ को ऊपर की पंक्ति में से घटाया तो बाकी रहे ७ इनको आनों के बाईं ओर लिखने से जो पंक्ति हुई वही जवाब जानो

(२) बीघे	बिस्वे	बिस्वांसी	(३) गज	गिरह	अंगुल	(४) मन	सेर	छटांक	(५) टके	धेला	छदाम	दमड़ी
१४)	।।)२	७	६५	११	२	४५)	।।)४	१२	४३२५	०	६	०
५)	।।)२	१९	३७	१४	१	२५)	।)२	९	११२५	१२॥	०	३
८)	।।।)२	०	२७	१३	१	२०)	।)२	३	२१२५	१२॥	०	३

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

भाग ॥

वह रीति जिस्से किसी अंक के बराबर हिस्से किये जांय वह भाग कहाता है ॥ जिस अंक के हिस्से की जिये उसको (भाज्य) कहते हैं ॥ जिस अंक से हिस्से किये जाय उसे (भाजक) कहते हैं ॥ और जो अंक हाsिल हो उसे (फल) वा लब्धि कहते हैं ॥ भाग की यह रीति है कि भाज्य लिखके दाहनी ओर फल को लिखो ॥ बांई ओर से इतने भाज्य के अंक लो कि जो गुणा भाजक उनसे ज्यादा न होवे ॥ तब गुणे की रीति से देखो कि उतने भाज्य अंक भाजक अंक से के गुणा है उतने ही अंक फल के स्थान में लिखो। तब उसी फल के अंक से भाजक को गुणा करो जो हासिल हो उसे लिये हुए भाज्य अंक के नीचे लिखो और जमा खर्च की रीति से उसकी बाकी निकालो। बाकी की दाहनी ओर को एक और भाज्य अंक उतारो जो उसमें भाजक न जा सके तो फल की जगह शून्य लिखो और भाज्य में से एक अंक उतारके बाकी के बांई ओर लिखो फिर लिखी हुई रीति से भाग बार बार दो जब तक भाज्य में कोई अंक न रहे। अन्त में जो बाकी रहे उसे अवशिष्ट कहते हैं उसके नीचे आड़ी लकीर खैंचके भाजक लिखो ॥ ४ ॥

(१) उदाहरण

भाजक	भाज्य	फल
९)	७३९	(८२
	७२	
	१९	
	१८	
	१	

यहाँ पहले विचारो कि ७३ भाज्य अंक में भाजक ९ के बेर जा सकता है जानो कि ८ बेर जा सकता है तो ८ को फल के स्थान में रक्खो और भाजक ९ को ८ से गुणा किया तो हुए ७२ इनको ७३ में से घटाया तो रहा १ इसके दाहनी ओर ९ भाज्य अंक को उतारा तो हो गए १९ इनमें भाजक ९ दो बेर जा सकता है तो २ को पहले के दाहनी ओर भाजक ९ को गुणा किया तो हुए १८ इनको १९ में से घटा दिया तो अब शेष १ रहा ॥

(२) भाजक	भाज्य	फल	(३) भाजक	भाज्य	फल	(४) भाजक	भाज्य	फल
८)	३२८	(४१	७)	४२७	(६१	५)	४७५	(९५
	३२			४२			४५	
	५६			७			२५	
	५६			७			२५	
	००			०			०	

मिश्र भाग ॥ ४ ॥

भाज्य के जो अंक हैं उनकी बांई ओर में सामान्य भाग की तरह भाजक के अंक को रक्खो और उस अंक से भाजक से भाज्य के अन्त अंक में भाग दो जो शेष रहे उसको नीचे जाति कर अगली नीच जाति में जोड़ो फिर उस अंक को भाजक से भाग देकर आगे इसी रीति से करो तो मिश्र भाग होता है ॥

१ उदाहरण ॥

सीताराम बोहरे ने एक खत्ती खोली उसमे १२५ मन २८ सेर २ छटांक गेहूं निकली तो उसने अपने छः ओ बेटों को रीक हा कि हर एक के बट में कितनी कितनी आई ॥

भाजक	भाज्य मन	सेर	पाव	छटांक
६)	१२५)	॥२८	ऽ।	ऽ=
फल	२०)	॥३८	०	ऽ-

(२) भाजक	भाज्य रुपये	आने	पाई
६)	६७)	॥।)	६
फल	७)	॥)	६

यहां भाज्य १२५ में से ६ भाजक बीस बेर घट गये तो बाकी रहे ५) मन इनके सेर हुए २०० और भाज्य के २८ सेरों को मिलाने से हुए २२८ सेर इनमें ६ भाजक ३८ बेर घट गये तो बाकी कुछ न रहा ॥ फिर एक पौ सेर में ६ भाजक नहीं जा सकते इसलिये पौ सेर की जगह शून्य लिखो और एक पौ सेर की ४ छटांक हुईं इन में भाज्य की २ छटांक मिलाईं तो सब ६ हुईं इनमें भाजक ६ एक बेर घट गया तो बाकी कुछ न रहा। (३) भाजक|भाज्य|बीघे बिस्वे बिस्वांसे

११)	१८५)	१५	९
फल १६		१४	१९

बोझ हजारी **बट्टा ॥ ४ ॥**

जब कोई चीज के एवज में बदलानी हो तब जो नफा वह कीमत उन कीमें हो उसे बट्टा कहते हैं और यह सैकड़े के हिसाब से लगता है और जो सैकड़े पर घट्टा हो उसे बट्टे की दर कहते हैं ॥ सब के सब के रुपयों की एक कीमत नहीं होती हर एक का भाव जुदा जुदा होता है अगर कोई शख्स रुपये बदलाना चाहे बह कम या जियादा पावेगा और जिस कदर नफा या नुकसान होगा उसे ही बट्टा कहते हैं ॥ ४ ॥ बट्टा फैलाने की रीति यह है मूल से दर को गुणा करो जो अंक हो डकड़े बदाम कच्चे जानो ॥ डकड़े बदाम और कच्चों का आरा नीचे लिखी हुई रीति से मालूम करलो ॥ ४ ॥

रुपयों और रुपयों को गुणा करने से डकड़े होते हैं	आने और रुपयों को गुणा करने से बदाम होते हैं
रुपयों और आनों को गुणा करने में बदाम होते हैं	आने और आनो को गुणा करने से कच्चे होते हैं

फिर डकड़ो बदामों और कच्चों के रुपये आने पाई इस रीति से करलो कि सोलह कच्चों का एक बदाम और सोलह बदाम का एक डकड़ा होता है और सवा छः डकड़ो या सौ बदाम का एक आना होता है और सौ डकड़ो का एक रुपया और साढ़े आठ बदाम की एक पाई होती है ।

बट्टे का नक्शा

१६ कच्चों	१ बदाम	१६ कच्चो	१ बदाम
२६ बदामों	१ डकड़ा	१६ बदाम	१ डकड़ा
८॥ बदाम	१ पाई	६। डकड़े	१ आना
६। डकड़े	१ आना	१२॥ डकड़े	२ आने
२१ आने	१ रुपया	१८॥। डकड़े	३ आने
१३३॥ कच्चों	१ पाई	२५ डकड़े	४ आने
८॥ बदाम	१ पाई	३१। डकड़े	५ आने
१६०० कच्चों	१ आना	३७॥ डकड़े	६ आने
१०० बदाम	१ आना	४३॥। डकड़े	७ आने
१०० डकड़ो	१ रुपया		

बट्टे का पहाड़ा

५० डकड़े	८ आने
५६। डकड़े	९ आने
६२॥ डकड़े	१० आने
६८॥। डकड़े	११ आने
७५ डकड़े	१२ आने
८१ डकड़े	१३ आने
८७॥ डकड़े	१४ आने
९३॥। डकड़े	१५ आने
१०० डकड़े	१) रुपया

१ उदाहरण

३।-) सैकड़े का बट्टा है तो २८० रुपयों पर क्या बट्टा होगा

२८०) को दर के ३) से गुणा तो ८४० डकड़े जिस के ८।=) ४॥। पाई

२८०) को दर के ।-) से गुणा तो १४०० बदाम जिस के ॥।=) ४॥। पाई

यहां २८०) को दर के ३ रुपयों से गुणा किया तो ८४०) डकड़े हुए जिस के ८) रुपये ।=) आने ४॥। पाई हुई फिर २८०) को दर के ५ आनों से गुणा किया तो १४०० बदाम हुए इन के ॥।=) आने और सबों को जोड़ा तो ९।) ४॥। पाई हुई वही उत्तर जानो ॥

२ उदाहरण

१।=) सैंकड़े का बट्टा है तो २६०) पर क्या होगा फल ४।।३) ४॥। पाई

३ उदाहरण

२३) सैंकड़े का बट्टा है तो ९२५०) पर क्या होगा ॥ फल २३१=) ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

जिन्सकी फैलावट

साधारण जिन्सके फैलाने की यहरीति है कि रुपयोंको मन सेर और छटांक से गुणा करणे से मन सेर और छटांक होतेहैं ॥ और आनो को मन सेर और छटांक से गुणा करने से जो अंक उसमें सोलह का भाग देने से मन सेर और छटांक होतेहैं ॥ जब आने मन से गुणे जांय जानों कि हरएक अंक ढाई ढाई सेर का होता है जब आने सेरमे गुणे जायँ तो जानो कि अंक एक एक छटांक का होता है ॥ जब आने छटांक से गुने जांयतो जानों कि हरएक अंक छटांक के सोलवें हिस्से की बराबर होताहै अर्थात उसमें सोलह का भाग देने से छटांक मिलती हैं ॥

इसनकशे के देखने से ऊपरका लेख भला भांति समझा जायगा

रुपये और मन को आपस में गुणा करने से मन होते हैं	आने और मन को आपस में गुणा करणे से ढाई सेरियां होती है
रुपये और सेर को आपस में गुणा करने से सेर होते हैं	आने और सेर के आपस में गुणा करने से छटांके होती हैं
रुपये और छटांक को आपस में गुणा करने से छटांक होती है	आने और छटांक को आपस में गुणा करने से छटांक का १६ हिस्सा होता है

उदाहरण (१)

एक रुपये के एक मन बारह सेर दस छटांक मूंग आते हैं तो सोलह रुपये सात आने के कितने आवेंगे १६ और १ के गुणा से १६ होते हैं जिसके १६ १६ और १२ के गुणा से १९२ सेर होते हैं जिसके ४।।। २ १६ और दस छटांक के गुणा से १६० छटांकें होती हैं जिसके २ ॥ = ३ और १ के गुणा से ७ ढैया होती हैं जिसके ॥७॥ = ३ और १२ के गुणा से ८४ छटांकें होती हैं जिसके १ ५। = ३ और १० छटांक के गुणा से ७० अंक होते हैं जिसके ॥=। २१।।।५०

यहांपहले सोलह रुपयों को १ मनसे गुणा किया तो १६ मन हुए ॥ और १६ रुपयों को १२ सेरसे गुणा किया तो १९२ सेर हुए इनमें ४० का भाग देने से ४।।। २ मिले ॥ फिर १६ रुपयों को १० छटांक से गुणा किया तो १६० छटांकें हुईं इनमें १६ का भाग देने से १० सेर मिले ॥ फिर ७ आने को १ मन से गुणा किया तो ७ अंक हुए एक एक अंक ढाई ढाई सेर का है इसकारण ७ अंक के ५७॥ हुए फिर ७ आनों को १२ से गुणा तो ८४ छटांकें हुईं इनमें १६ का भाग देने से ५ मिले ॥ फिर ७ आनोंको १० छटांक से गुणा तो ७० अंक हुए ॥ इनमें १६ का भाग देने से ४ ॥ छटांकें हुईं ॥ फिर इन सबों को मिश्र जोड़ की रीति से जोड़ तो २१।।।५० हुए यही उत्तर जानो ॥

जिन्सके दाम लगाने की रीति

जिस जिन्स पर दाम लगाने हों उसमें भाव की तोल से भाग दो और लब्ध हो उसे कुल जिन्स के दाम जानो ५ भाव की तोल और कुल जिन्स की तोल को एक जात करलो अर्थात् एकके साथ छटांक होतो दोनों की छटांकें करनी चाहिये ॥

उदाहरण २

ढाई सेर मिसरी एक रुपये की मिलती है तो पांच मन मिसरी के क्या दाम होंगे ।२॥ सेर की छटांकें ४० ५ मन की छटांकें २००० भाजक भाज्य लब्ध ४०) २००० (५० २००

यहां पहले दोनों तोल एक जात अर्थात् छटांकें की गईं और तब कुल जिन्स की तोल २००० छटांकों को भाव की ४० छटांकों से भाग दिया तो लब्ध हुए ५०) रुपये यही उत्तर जानो ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

तनखाह की फैलावट

जो कोई शख्स यह जाना चाहे कि फलाना मनुष्य इतने रुपये महीना पाता है उसको एक दिन अथवा कई दिन का क्या देना चाहिये ॥ इसकी यह रीति है कि जितने रुपये महीने का नौकर हो उसके आधे आने और इतने दाम एक दिन के होते हैं और यहाँ साठ दाम का एक आना जानो ॥ ५ ॥

जो कोई शख्स यह जाना चाहे कि फलाना इतने आने रोज पाता है वुह एक महीने में क्या पावेगा इसकी यह रीति है कि जितने आने रोज का नौकर है उनको इतना रुपये समझले फिर उन रुपयों में से रुपयों की बराबर आने घटादो और जो बाकी रहे वही महीने की तनखाह जानो।

महीने की तनखाह	फी दिन आने दाम	जोड़	एक दिन के आने	उसके इतने रुपये हुए	रुपयों के बराबर आने घटा दो	बाकी रहे यही महीने की तनखाह हुई
२४) आने ।३) दाम २८	११ ४॥।-)	३०८ ५-) ।-)३॥। पाई ३॥। पाई	॥।-)	२६)	आने २६ के रु० ।॥=)	२४॥=)
२०) आने ॥)॥ दाम २४	१२ ६।=)	४०२ ६॥) ८)॥ पाई ।॥ पाई	॥=)	२२)	।॥=)	२०॥=)

यह रीति जो ऊपर लिखी है हिन्दुस्तानी ३० दिन के महीने पर होती है परन्तु अगरेजी २८ दिन २९ और ३१ दिन के महीने पर यह रीति नहीं हो सक्ती इसलिये और रीति नीचे लिखते हैं ॥ जितने रुपये महीने का नौकर है उतने ही एक दिन के टके जानलो कदाचित महीनों के रुपयों के संग आने होंय तो जितने आने एक महीने के उतनी ही दमड़ी एक दिन की होती हैं और जितने दिनों का महीना उतने ही टकों का एक रुपया और जितने टकों का रुपया उतनी ही दमड़ी का एक आना होता है ॥ फैलाने की रीति नीचे लिखी है उसपर ध्यान करो ॥

रुपये और महीनों को आपस में गुणा करने से रुपये होते हैं आने और महीनों को आपस में गुणा करने से आने होते हैं

रुपयों और दिनों को आपस में गुणा करने से टके होते हैं: आने और दिनों को आपस में गुणा करने से दमड़ियां होती

॥ उदाहरण ॥ ५ ॥

जो ४५) रुपये महीने का नौकर है उसका २ महीने २ दिन तक का क्या होगा यहां २८ दिन का महीना जानो ॥

४५) और २ महीने को गुणा तो ९०) होते हैं ९०)
४५ और २ दिन की गुणा तो ९० होते हैं ॥
जिसके ९३।) १२ द०
९३।) १२ द०

यहाँ ४५) रुपयों को दो महीनों से गुणा किया तो ९०) रुपये हुए फिर ४५) रुपयों को २ दिन से गुणा किया तो ९० टके हुए इनमें जो कि महीने के दिन २८ हैं उनका भाग दिया तो ३ रुपये मिले और ६ टके बचे इनको सोलह गुणा किया तो ९६ दमड़ी हुई इनमें २८ का भाग फिर दिया तो तीन मिले और १२ दमड़ी बचीं फिर ९०) रुपये और ३) आने १२ दमड़ी इन सबों को जोड़ा तो ९३ रुपये ३ आने और १२ दमड़ी हुई यही उत्तर जानो ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

खेत की पैमाइश ॥

जमीन की माप का नकशा ॥ ४ ॥

क और ख के बीच में जो लकीर है उसे एक इंच की बराबर जानो क ख +

३६ इंच २४ तसू ६ गज हिंदुस्तानी २० गट्ठे ६० गज हिंदुस्तानी १ जरीब लंबा १ जरीब चौड़ा १ बीघा	बराबर १ गज हिंदुस्तानी १ गट्ठा बराबर १ जरीब	२० तनवांसी २० तनवांसी २० कचवांसी २० बिस्वांसी २० बिस्वा	१ तनवांसी १ कचवांसी १ बिस्वांसी १ बिस्वा १ बीघा

माप में बिस्वांसी से आगे नहीं लिखते

हिंदुस्तानी गज बनाने की यह रीति है कि वह काला निशान जो इस सफे के किनारे पर है १ इंच लंबा है उसका तिगुना ३६ इंच का १ गज होता है ॥ जरीब के बनाने की यह रीति है एक रस्से के सिरे पर एक बड़ी गांठ दो फिर उसके आगे २० छोटी गांठ ऐसी दो कि हरएक गांठ के बीच में ३ गज का एक गट्ठे का फासला हो फिर पिछली गांठ बड़ी दो और दोनों बड़ी गांठ के बीच में एक जरीब की लंबाई जानो ॥ खेत की नपाई जरीब और गट्ठों से होती है ॥ जरीब और गट्ठों को आपस में गुणा करने से बीघे बिस्वे और बिस्वांसी होती हैं ॥

जरीब और गट्ठों के गुणा करने का फल इस नकशे से मालूम होगा ॥

जरीब और जरीब को आपस में गुणा करने से बीघे होते हैं	एक जरीब लंबा और एक जरीब चौड़ा १ बीघा है
जरीब और गट्ठों को आपस में गुणा करने से बिस्वे होते हैं	एक जरीब लंबा और एक गट्ठा चौड़ा १ बिस्वा है
गट्ठों और गट्ठों को आपस में गुणा करने से बिस्वांसी होती हैं	एक गट्ठा लंबा और एक गट्ठा चौड़ा १ बिस्वांसी है

खेत अनेक प्रकार के हैं परंतु जो सीधा खेत हो उसको लंबाई और चौड़ाई को आपस में गुणा करने से क्षेत्रफल होता है ॥

समान चौकोना क्षेत्र उसे कहते हैं कि जिसमें चार भुजा बराबर हों और चारों कोने बराबर हों ॥ ऐसे खेत के मापने की यह रीति है कि लंबाई को चौड़ाई से गुणा करो और कही हुई रीति से बीघे बिस्वे करलो तो उसका क्षेत्रफल होगा यहां लंबाई १० गट्ठों से चौड़ाई १० गट्ठों को गुणा किया तो १०० बिस्वांसी हुई इनमें २० का भाग दिया तो ५ बिस्वे मिले यही क्षेत्रफल जानो ॥

| १० गट्ठे (चित्र) १० गट्ठे | १० गट्ठों को १० गट्ठों से गुणा तो १०० बिस्वांसी हुई भाजक २० भाज्य १०० फल ५ बिस्वे
१००
००

८ जरीब से ५ जरीब के गुणा तो ४० बीघे ४०)
८ गट्ठों से ५ जरीब को गुणा तो ४० बिस्वे जिसके २)
८ जरीब से १० गट्ठों को गुणा तो ८० बिस्वे जिसके ४)
८ गट्ठों से १० गट्ठों को गुणा तो ८० बिस्वांसी जिसके ०४
४६) ४ | यहां पहले लंबाई की ८ जरीब से चौड़ाई की ५ जरीब को गुणा किया तो ४० बीघे हुए ॥ फिर लंबाई के ८ गट्ठों से चौड़ाई की ५ जरीब को गुणा किया तो ४० बिस्वे हुए इनमें २० का भाग दिया तो २ बीघे मिले फिर लंबाई की ८ जरीब से चौड़ाई के १० गट्ठों को गुणा किया तो ८० बिस्वे जिसके ४ बीघे हुए ॥ लंबाई के ८ गट्ठों से चौड़ाई के १० गट्ठों को गुणा किया तो ८० बिस्वांसी हुई जिसके ४ बिस्वे मिले ॥ फिर ४०।२।४। और ४। बिस्वा का जोड़ा तो ४६) बीघे ४ बिस्वे हुए यही उत्तर जानो ॥ |

खेतकी फैलावट

त्रिभुज या त्रिकोन खेत उसे कहते हैं जिसमें तीन भुजा और तीन कोने हैं ॥ यह सीधी खिंची दार ल-कीर जो ऊपरके कोने से साम्हने की भुजा तक खेंची गई उसे लंब कहते हैं ॥ जिस भुजा पर लंब गिरता है उसे भूमि कहते हैं ॥ त्रिभुज क्षेत्र मापने की यह रीति है कि पहले भूमि को मापो फिर ऊपर के कोने से भूमिपर लंब डाल के मापलो ॥ फिर भूमि को लंब गुणा करो जो फल आवे उसे आधा करो और कही हुई रीति से बीघे बिस्वे करलो और उसे ही क्षेत्रफल मानो ॥

भूमि २८ गट्ठे
लंब १६ गट्ठे
भाजक २) भा० ४४८ वि०
भाजक २०) २२४ (फल ११ वि
स्वे ४ विस्वासी
२०
२४

यहां पहले भूमि को मापा तो २८ गट्ठे हुए ॥ फिर ऊपर के कोने से लंब डाल के मापा तो १६ गट्ठे हुए ॥ फिर भूमि २८ गट्ठों को लंब के १६ गट्ठों से गुणा किया तो ४४८ विस्वांसी हुई इनेर के भाग से आधा किया तो २२४ ॥ विस्वासी मिली इन में २० का भाग दिया तो ११ बिस्वे मिले और ४ विस्वांसी बाकी रही तो यही उत्तर जानो ॥

भूमि २८ गट्ठे
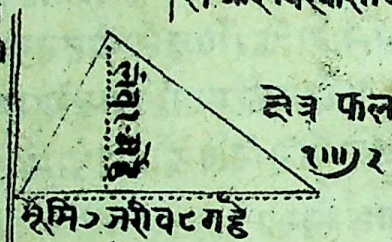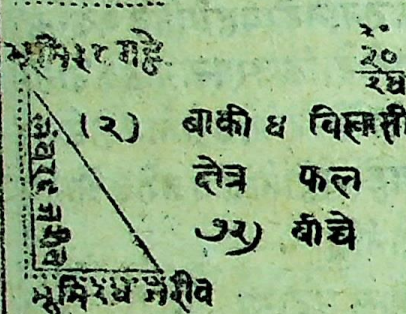
समलंब खेत उसे कहते हैं कि जिसकी आमने साम्हने की दो भुजा का तफावत बराबर है और जिसकी दो बाकी भुजा का तफावत बराबर होवा नहो ॥ ऐसे खेत मापने की यह रीति है कि ऊपर और नीचे की भुजाओं को मापो और दोनों को जोड़कर आधा करलो और उसे लंब से गुणा करो ॥ जो अंक हो उसे कही हुई रीति से बीघे बिस्वे करलो और उसे ही क्षेत्रफल जानो ॥

यहां पहले ऊपर की भुजा को मापा तो १६ गट्ठे हुए और नीचे की भुजा को मापा तो वह २० गट्ठे हुई ॥ फिर १६ और २० गट्ठों को जोड़ा तो ३६ गट्ठे हुए इनके दो के भाग से आधा किया तो १८ गट्ठे मिले ॥ फिर लंब डालके मापा तो १२ गट्ठे हुए फिर भूमि १८ गट्ठों को लंब के १२ गट्ठों से गुणा किया तो २१६ विस्वासी हुई इन में २० का भाग दिया तो १० बिस्वे और १६ विस्वांसी बाकी रहीं तो यही उत्तर जानो ॥
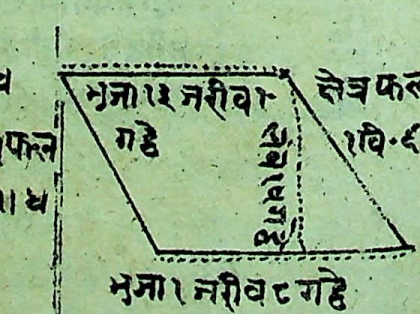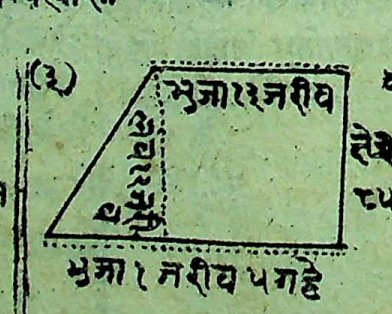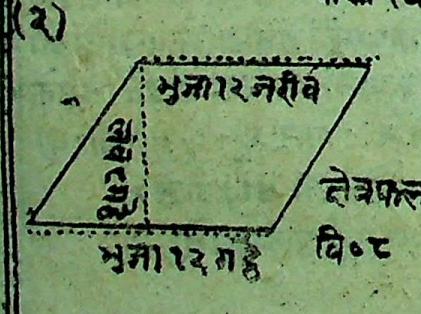
खेतों की फैलावट

गोल खेत मापने की यह रीति है कि पहले घेर को माप फिर पेटे को मापो ॥ घेर का आधी लंबाई को पेटे की आधी लंबाई से गुणा करो जो अंक हो उसे कही हुई रीति से बीघे बिस्वे कर लो और उसे ही क्षेत्र फल जानो ॥

घेर पेटा
भाजक २) ८८ गट्ठे भाजक २) २२ गट्ठे
आधा घेर ४४ गट्ठे आधा पेटा ११ गट्ठे
आधा पेटा ११ गट्ठे
भाजक २०) ४८४ बि (फल २४ बिस्वे ४ बिस्वांसी
४०
८४
८०
बाकी ४ बिस्वांसी

यहाँ पहले घेर को मापा तो ८८ गट्ठे हुए और इन्हें दो का भाग दे आधा किया तो ४४ गट्ठे रहे ॥ फिर पेटे को मापा तो २२ गट्ठे हुए इन्हें २ के भाग से आधा किया तो ११ गट्ठे हुए ॥ फिर घेर के ४४ गट्ठों को पेटे के ११ गट्ठों से गुणा किया तो ४८४ बिस्वांसी हुईं ॥ इन में २० का भाग दिया तो २४ बिस्वे मिले और ४ बिस्वांसी बाकी रहीं तो यही उत्तर जानो

विषम चतुर्भुज खेत उसे कहते हैं कि जिसकी चारों भुजा का नाप बराबर न हो ॥ वह जो एक कोन से खेत के बीच में होकर दूसरे कोन तक खेंची गई उसे कर्ण कहते हैं ॥ ऐसे खेत मापने की यह रीति है कि पहले कर्ण को मापो फिर उस पर ऊपर और नीचे के कोने से लंब डालो ॥ दोनों लंब की लंबाई को जोड़ कर जो अंक हो उसे कर्ण की आधी लंबाई से गुणा करो और कही हुई रीति से बीघे बिस्वे कर लो और उसे ही क्षेत्र फल जानो ॥

१ लंब १२ कर्ण ४४ जिसका आधा
२ लंब १० २२
जोड़ लंब २२ गुणा
आधा कर्ण २२ गुणक
४४
४४
भाजक २०) ४८४ बि (फल २४ बिस्वे ४ बिस्वांसी
४०
८४
८० जिसके
१) ४ बिस्वे ४ बिस्वांसी
बाकी ४ बिस्वांसी

यहाँ पहले ऊपर के लंब को मापा तो १२ गट्ठे हुए और दूसरे लंब को मापा तो १० गट्ठे हुए ॥ इन दोनों को जोड़ा तो २२ गट्ठे हुए ॥ फिर कर्ण को मापा तो ४४ गट्ठे हुए ॥ इनका आधा किया तो २२ गट्ठे रहे फिर दोनों लंब के २२ गट्ठों को आधे कर्ण के २२ गट्ठों से गुणा किया तो ४८४ बिस्वांसी हुईं ॥ इनमें २० का भाग दिया तो २४ बिस्वे मिले और ४ बिस्वांसी रहीं ॥ फिर २४ बिस्वों में २० का भाग दिया तो १) बीघा मिला और ४ बिस्वे रहे तो क्षेत्र फल १) ४ बिस्वे ४ बिस्वांसी हुआ

क्षेत्र फल
१) ० बि० २०

(गुरु १) जितने रुपये सेर वस्तु विकती हो उतने ही आने की एक छटांक होगी ॥
छोटी इलायची ४) रुपये सेर विकती है तो छटांक भर के ।) आने हुए ॥
जो चीज़ ७) रुपये सेर आती है तो दो छटांक कितने की आवेगी ॥ ····· जवाब ॥≡) आने
जो चीज़ ।≡) आने की दो छटांक आवेगी तो सेर भर कितने की आवेगी ॥ ज० ३॥) रुपये
(गुरु २) जितने रुपये मन वस्तु होगी उतने आनों की ढाई सेर आवेगी ॥
ढाई रुपये मन गुड़ आता है तो ढाई आने का ।२॥ सेर आवेगा ॥
साढ़े तेरह रुपये मन घी आता है तो ॥।–)॥ आने का कितना आवेगा ॥ ज० ।२॥ सेर
ढाई सेर के ॥)॥ आने होते हैं तो एक मन के क्या दाम होंगे ॥ ज० १४) रुपये
(गुरु ३) जितने टके सेर वस्तु हो उतनी दमड़ियों की एक छटांक आवेगी ॥
तीन टके सेर जो वस्तु विकती होगी वह छटांक भर तीन दमड़ी यों की आवेगी
चौदह टके सेर बरफी आते हैं तो छटांक भर कितने की आवेगी ज० ४२ दाम
(गुरु ४) एक रुपये के जिस भाव टके विकते हैं उतनी दमड़ियों का एक आना होता है ॥
एक रुपये के ३२ टके विकते हैं तो ३२ दमड़ी अर्थात् दो टके का आना होगा ॥
चालीस दमड़ी का आना होता है तो एक रुपये के कितने टके होंगे ॥ ज० ४० टके
४० टके एक रुपये के आते हैं तो एक आने का क्या होगा ॥ ····· ज० ···· २॥ टके
(गुरु ५) पैसे की जे गंडे कोड़ियाँ विकती हैं उतनी कोड़ियों की एक छदाम जानो ॥
एक पैसे की २४ गंडे कोड़ियां विकती हैं तो छदाम की २४ कोड़ी हुईं ॥
एक पैसे की १९ गंडे कोड़ियां आती हैं तो छदाम कितने की होगी ॥ ··· ज० ···· ४ गंडे
छदाम के ५ गंडे आने हैं तो एक पैसे के कितने आवेंगे ॥ ····· ज० २० गंडे
(गुरु ६) जितने रुपयों का एक गज़ कपड़ा बिकेगा उतने आनों का एक गिरह आवेगा
तीन रुपये गज़ जो कपड़ा आता है वह एक गिरह ≡) आने का आवेगा ॥
ढाई रुपये गज़ जो कपड़ा आता है वह गिरह भर कितने का आवेगा ॥ ज० ≡) आने
(गुरु ७) जितने टके गज़ कपड़ा विकता है उतनी दमड़ी यों का एक गिरह कपड़ा आता है ॥
जो कपड़ा चार टके के गज़ आता है वह एक गिरह भर चार दमड़ी का आवेगा ॥
जो कपड़ा १९ टके गज़ विकता है वह गिरह भर कितने का आवेगा ॥ ··· ज० ।टका
(गुरु ८) एक रुपये की जे सेर जो वस्तु होगी वह एक आने की उतने ही छटांक आवेगी ॥
एक रुपये की चार सेर मिठाई आती है तो एक आने की चार छटांक आवेगी ॥
एक रुपये की ढाई सेर मिठाई आती है तो एक आने की कितनी आवेगी ॥ ज० २॥ छटांक
(गुरु ९) एक रुपये की जे सेर वस्तु विकती है चालीस रुपये की उतने ही मन विकेगी ॥
एक रुपये की जो चीज़ १४ सेर आती है वह चालीस रुपये की १४) मन आवेगी ॥
जो चीज़ १२) मन चालीस रुपये की आवेगी तो १) रुपये की कितनी आवेगी ॥ ज० १२ सेर
(गुरु १०) एक रुपये का जितने गज़ कपड़ा विकता है एक आने का उतने ही गिरह आवेगा ॥
एक रुपये की २० गज़ गज़ी आती है तो एक आने की बीस गिरह आवेगी ॥
एक आने की १५ गिरह गज़ी आती है तो एक रुपये की कितनी आवेगी ॥ ज० १५ गज़
(गुरु ११) जे सेर नाज नित मिलता हो उन्हें पौना करने से जो होगा उतने मन महीने का अन्न होगा ॥
जिसको ३२ सेर नाज रोज मिलता है उसे महीने भर में ४॥) मन मिलेगा
जो मनुष्य महीने में ६) मन नाज पाता है वह एक दिन में क्या पावेगा ॥ ज० ···· ८ सेर
(गुरु १२) नित जितने सेर नाज मिलता है उसे नौ गुणा करो तो उतने मन नाज साल भर में मिलेगा ॥
दो सेर नाज रोज मिलता है तो साल भर का अठारह मन नाज होगा ॥
दो दिन में जो ३ सेर नाज पाता है उसे साल भर में कितना मिलेगा ॥ ज० ····· १३॥ मन

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ॐ मन्त्रै सरस्वती प्रकाश

जम्मू मैं छापा गया ॥ * ॥

समत १९१६

सावन प्र॰ ९ ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri